चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 191 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

04 जनवरी 2025 शनिवार

आज का मौसम

27 अधिकतम

10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

इंदौर से आई कचरे की आंच से भोपाल में झुलसन, सीएम ने बुलाई हाईलेवल बैठक

पीथमपुर में जहां कचरा डंप वहां हुआ पथराव महिलाओं ने पुलिस पर फेंका मिर्ची पाउडर

भोपाल/इंदौर.दोपहर मेट्रो

इंदौर जिले के पीथमपुर में भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री का जहरीला कचरा जलाने का विरोध भड़कने तथा दो प्रदर्शनकारियों द्वारा खुद को आग लगाने की घटना के बाद राज्य सरकार बैकफुट पर आ गई है। उधर आज सुबह पीथमपुर में रामकी एनवायरो फैक्ट्री पर पथराव हुआ है। यही पर कचरा डंप है। फैक्ट्री से लगे तारपुरा गांव के लोगों पर पथराव का आरोप है। इसमें फैक्ट्री की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों के वाहन का कांच टूट गया। इसके बाद पुलिस ने लोगों को फैक्ट्री के पास से खदेड़ा। पथराव सुबह करीब 10 बजे किया गया। पुलिस ने तुरंत ही मोर्चा संभालते हुए ग्रामीणों को फैक्ट्री से दूर किया। आसपास के थानों से भी फोर्स बुला लिया। बताया जा रहा है कि जब ग्रामीणों ने पथराव किया, तब गेट पर ज्यादा पुलिस बल तैनात नहीं था, इसलिए भीड़ ने एक पुलिस वाहन के कांच भी फोड़ डाले। हद तो तब हो गई जब महिलाएं अपनी मुट्ठी में मिर्ची पाउडर लेकर आई थीं, जिसे सुरक्षा में तैनात पुलिस जवानों पर फेंका गया।मामला बिगड़ता देख आक्रोशित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठियां भांजी और दो-तीन आंसू गैस के गोले भी फेंके। इसके बाद आक्रोशित भीड़ वापस भाग गई। इस घटना के बाद फैक्टरी परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सादी वर्दी में आसपास की बस्ती में भी पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

सीएम मोहन यादव ने देर रात हाई लेवल बैठक बुलाई थी, इसमें तय किया गया कि सरकार जनता के हितों और सुरक्षा को प्राथमिकता देती है तथा जनभावना को कोर्ट के सामने रखा जाएगा। अदालत का आदेश आने तक पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड का कचरा नहीं जलाया जाएगा। बैठक में दोनो डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ला व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय समेत मुख्य सचिव व आला अफसर मौजूद थे। इसमें मौजूद सभी बात पर एकमत थे कि हमारा निर्णय न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं कि जनता को कोई नुकसान न हो।% सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद सीएम मीडिया के सामने आए और कहा कि कचरा अभी डम्प किया है, जलाया नहीं है। फिलहाल नहीं जलाएंगे, उसके पहले हाईकोर्ट के सामने जाएंगे। वहां जन भावनाओं को रखेंगे। फिर कोर्ट जो आदेश देगी, उसका पालन करेंगे।

उल्लेखनीय है कि पीथमपुर, धार व इंदौर के लोग काफी दिनों से कचरा जलाने के खिलाफ लामबंद हो गये हैं। उनका कहना है कि कचरा जलने से निकलने वाले अपशिष्ट से लोगों को नुकसान हो सकता है। जबकि सरकार विभिन्न रिपोर्टों का हवाला देकर नुकसान से इंकार कर रही है। ताजे निर्णय के पहले सीएम ने कहा था कि कोर्ट के आदेश और विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर सरकार आगे बढ़ रही है। कचरे में किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होगा।

सीएम मोहन यादव ने आज भोपाल में सामाजिक न्याय विभाग के अस्थिबाधित दिव्यांग जनों को निशुल्क साइकिल वितरण समारोह का शुभारंभ कर ब्रोशर का विमोचन किया।

कांग्रेस दिल्ली चुनाव में देगी 5 गारंटी, 6 से कैंपेन

नई दिल्ली,एजेंसी। अगले महीने संभावित विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में है। पार्टी ने अपना गारंटी पत्र लगभग तैयार कर लिया है और इसे जल्द ही लॉन्च किया जाने वाला है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि दिल्ली चुनाव को लेकर पार्टी अपनी 5 गारंटी देगी। वरिष्ठ नेता 6 जनवरी से चरणबद्ध तरीके से कांग्रेस की ट्रेडमार्क गारंटी की शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही प्रचार अभियान की भी शुरुआत हो जाएगी। कल ही बीजेपी ने भी अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली से की है। आम आदमी पार्टी भी अपने सभी उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। कांग्रेस महिलाओं को 3 हजार प्रतिमाह देने, युवाओं को नौकरी, स्वास्थ्य बीमा,राशन जैसी गारंटी देने की तैयारी में है।

पटाखा फैक्ट्री में आग से अब तक 6 मौतें

चैन्नई। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। विरुधुनगर की फैक्ट्री से अब तक 6 शव बरामद हो चुके हैं। बचाव अभियान जारी है। पुलिस का कहना है कि यह विस्फोट रसायनों को मिलाने की प्रक्रिया के दौरान हुआ और इससे वहां बना एक कमरा ध्वस्त हो गया, जिसके कारण लोगों की मौत हो गई।

कहीं घना कोहरा, विजिबिलिटी का संकट, कहीं धूप में घुली ठंड

2 दिन प्रदेश में कोहरे व तेज ठंड का असर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आज मप्र के ग्वालियर, चंबल और रीवा संभाग के 12 जिलों में आज घना कोहरा रहा। जबकि भोपाल में सुबह से खुशनुमा धूप खिली है लेकिन ठंड का असर बरकरार है। अलबत्ता कोहरे वाले जिलों में कुछ जगहों पर विजिबिजिटी 100 मीटर से भी कम रही। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2 दिन प्रदेश में कोहरे और तेज ठंड का असर रहेगा। इसके बाद थोड़ी राहत मिलेगी। जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फबारी होने से सर्द हवाएं प्रदेश में आ रही हैं। अभी 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 222 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम चल रही है। इस कारण ठंड का असर है। हलांकि शुक्रवार को दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, शिवपुरी, रतलाम, धार समेत सभी शहरों के पारे में 1 से 5.5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है।लेकिन रात का न्यूनतम तापमान दस से कम है।

अब सौरभ के करीबी का फोन बंद, जांच एजेंसी परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चार-चार जांच एजेंसियों के रडार पर आए परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल व मौजूदा कारोबारी सौरभ शर्मा का पता नहीं चल रहा है। एजेंसियां यह भी पता नहीं कर पाई हैं कि वह दुबई में है या भारत आ गया है। जबकि सौरभ के करीबी चेतन गौर का फोन भी अब बंद बताया जा रहा है। लोकायुक्त संगठन बयान लेने के लिए उसकी तीन दिन से तलाश में है। इसके पहले आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय में पहुंचकर चेतन अपने बयान दर्ज कर चुका है। लोकायुक्त पुलिस ने तीन दिन पहले सौरभ की मां उमा शर्मा की बयान लिए थे। उसी दिन से पुलिस चेतन 'लापता' है। बताया जाता है कि पुलिस ने सौरभ शर्मा, उसकी पत्नी दिव्या शर्मा, उमा शर्मा के अतिरिक्त सौरभ के सहयोगी चेतन गौर और शरद जायसवाल को सम्मन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था। मगर करीब ग्यारह दिन से कोई बयान दर्ज करने के लिए नहीं पहुंचा तो लोकायुक्त जांच अधिकारी वीरेंद्र सिंह तीन दिन पहले औचक रूप से सौरभ के घर पहुंच कर उसकी मां उमा से पूछताछ की। बयान के लिए चेतन से भी संपर्क किया था। अब पुलिस लगातार उसे तलाश रही है। चेतन से पूछताछ में पुलिस को सौरभ के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती हैं। पुलिस यह पता करना चाहती है कि उसके नाम जो संपत्ति है वह वास्तविक में उसी की है या सौरभ ने उसके नाम बेनामी संपत्ति बनाई थी। छापे में चेतन के नाम पेट्रोल पंप, फिशरीज का ठेका, ई -7 अरेरा कालोनी में आवास के दस्तावेज मिले थे। जिस कार में 54 किलो सोना और 10 करोड़ रुपये नकद मिले थे वह भी चेतन के नाम ही है।

पीएम मोदी की चादर अजमेर शरीफ पर चढ़ाई

अजमेर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भेजी गई चादर ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर आज चढ़ाई गई। अजमेर दरगाह विवाद के बीच केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पीएम की ओर से भेजी गई चादर लेकर दरगाह पहुंचे थे। यहां उन्होंने देश में अमन-चैन, भाईचारे की दुआ मांगी। इसके बाद प्रधानमंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया। इससे पहले जयपुर एयरपोर्ट पर रिजिजू ने कहा, पीएम मोदी की ओर से चादर चढ़ाना पूरे देश की ओर से चादर चढ़ाने जैसा है। हम देश में अच्छा माहौल चाहते हैं। अजमेर में दरगाह पर लाखों लोग आते हैं। उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए ऐप और वेब पोर्टल लॉन्च किया जा रहा है। इस पर दरगाह पर मिलने वाली सुविधाओं से लेकर अन्य सभी तरह की जानकारियां मिलेंगी। रिजिजू दरगाह के वेब पोर्टल और जायरीनों के लिए 'गरीब नवाज' ऐप भी लॉन्च करेंगे। इसके अलावा उर्स के लिए ऑपरेशन मैनुअल भी जारी करेंगे।

ईपीएफ का नया साफ्टवेयर जून से शुरू

नई दिल्ली.एजेंसी

ईपीएफ खाताधारकों के लिए अब कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जून तक अपना नया सॉफ्टवेयर सिस्टम शुरू करने के लिए तैयार है। श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि नया सिस्टम देश में बैंकिंग सिस्टम्स के बराबर सुविधाएं प्रोवाइड कराएगी। साथ ही वेबसाइट इंटरफेस अधिक यूजर्स-अनुकूल होगा। नयी लांचिंग के बाद ईपीएफओ अपने सदस्यों को एटीएम कार्ड जारी करेगा। वेबसाइट और सिस्टम में सुधार के शुरुआती चरण को जनवरी 2025 के अंत तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इसका उद्देश्य पहुंच में सुधार, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और कर्मचारियों को उनके रिटायरमेंट फंड पर अधिक कंट्रोल देने के लिए नई सुविधाएं पेश करना है। नए ईपीएफ विड्रॉल दिशा-निर्देशों के साथ कर्मचारी अपनी सेविंग तक तेजी से पहुंच सकेंगे और फाइनेंशियल इमरजेंसी या अप्रत्याशित खर्चों को प्रभावी ढंग से मैनेज कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर

आखिरकार रोहित शर्मा ने चुप्पी तोड़ी

2 बच्चों का पिता हूं, मालूम है कब-क्या करना है...

सिडनी, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में टेस्ट में कप्नान रोहित शर्मा के नहीं खेलने से उनके सन्यास की खबरें चलने लगी हैं लेकिन अब रोहित ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में साफ किया है कि उन्होंने रिटायरमेंट नहीं लिया है।बल्कि खराब फॉर्म के चलते खुद को ड्रॉप किया। यह फैसला लेना मुश्किल था, लेकिन टीम के हित में फैसला लिया गया। ज्ञात हो कि सिडनी टेस्ट में भारत की कप्तानी जसप्रीत बुमराह कर रहे हैं। रोहित की जगह शुभमन गिल को मौका मिला है।

रोहित ने कहा है, 'चार-पांच महीने पहले मेरी कैप्टेंसी और मेरे आइडियाज खूब काम आए। अचानक से ये चीजें खराब कही जाने लगीं। आज रन नहीं बन रहे हैं, लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि आप भविष्य में रन नहीं बना पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि माइक, पेन या लैपटॉप वाले लोगोह के बोलने से जीवन नहीं बदलेगा। वे यह तय नहीं कर सकते कि मुझे कब संन्यास लेना चाहिए, कब बाहर बैठना चाहिए, कब कप्तानी करनी चाहिए। मैं एक समझदार आदमी हूं, दो बच्चों का पिता हूं। इसलिए मुझे पता है कि कब क्या करना है।

ड्रेसिंग रूम विवाद के बारे में उन्होंने कहा कि कोच और सिलेक्टर के साथ मेरी बातचीत बहुत सिंपल थी। मुझसे रन नहीं बन रहे थे, फॉर्म में नहीं हूं और यह एक महत्वपूर्ण मैच है इसलिए हमें फॉर्म में रहने वाले खिलाड़ियों की जरूरत है। यही सरल पहलू मेरे दिमाग में चल रहा था।

मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना चाहता था...

रोहित ने कहा कि यह एक समझदारी भरा निर्णय भी था। मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना चाहता था। अभी इस समय केवल यही सोचना था कि टीम को क्या चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने क्रिकेट में यह बहुत बार देखा है कि हर मिनट, हर सेकंड, हर रोज जिंदगी बदलती है। इसलिए मुझे खुद पर विश्वास है कि चीजें बदलेंगी। मैं इतनी क्या बाहर बैठने आया हूँ? मैं अपनी टीम के लिए खेलना और मैच जीतना चाहता हूं। 2007 में जब मैं पहली बार ड्रेसिंग रूम में आया था, तब से यही चल रहा है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बागसेवनिया स्थित संस्कृत महा विद्यालय में संस्कृत भारती मध्य भारत 3 दिवसीय प्रान्त सम्मेलन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल एवम संस्कृत के विद्यावान गण उपस्थित रहे।

भोपाल। भोपाल के डीआरएम ऑफिस स्थित रेलवे कॉलोनी में रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया।

भोपाल। वार्ड 51 सी सेक्टर शाहपुरा में लगभग 7 लाख की लागत से पार्क के शौंद्रीयकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर जोन अध्यक्ष स्नेहलता रघुवंशी, पदाधिकारी व रहवासी उपस्थित रहे।

बार-बार अटक रही शिफ्टिंग, अब फिर नई उम्मीद

मेट्रो प्रोजेक्ट की राह में अफसरों को सता रहा आरा मशीनों का 'हठ'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में मेट्रो रूट की राह से आरा मशीने हटने के नाम नहीं ले रही हैं। इन्हें हटाने में अफसरों के सारे प्रयास नाकाम ही हो रहे हैं। जबकि करीब दो साल पहले इसे हटाने के लिये ताकत लगाना शुरू की गई थी। एकबारगी तो आरा मशीन संचालक यहां से शिफ्ट होने के लिये तैयार भी हो गये थे लेकिन बाद में मामला लटक गया। अब फिर यह संचालक उद्योग विभाग द्वारा निर्धारित रेट पर जमीन लेने को तैयार हो गए हैं। हालांकि इसके लिए प्रशासन को इंडस्ट्रियल एरिया की तरह डेवलपमेंट करना होगा। पूर्व में प्रशासन द्वारा ये आश्वासन उनको दिया गया था। दूसरी ओर अभी परवलिया रोड पर छोटा रातीब? गांव में जो 18 एक? जमीन चिह्नित की गई है, वहां डेवलपमेंट का प्लान ही फाइनल नहीं हुआ है। ऐसे में कहना मुश्किल है कि आरा मशीनें कब शिफ्ट होंगी। इधर, ईरानी डेरा में संचालित 3 आरा मशीनों को हटाने के लिए प्रशासन ने नोटिस दे दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि अब तक मशीन संचालक शिफ्टिंग का ही विरोध कर रहे थे। पहली बार वे जमीन लीज पर लेकर शिफ्ट होने को राजी हुए हैं। शिफ्टिंग के लिए एक साल पहले छोटा रातीबड़ में 18 एकड़ जमीन दी जा चुकी है। यहां 108 आरा मशीनें शिफ्ट होना हैं लेकिन वहां अभी बिजली, पानी और सड़क

जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं हैं। मेट्रो कंपनी शिफ्टिंग के लिए 6 करोड़ से ज्यादा दे चुकी है। दरअसल आरा माशीनों की मौजूदा जगह पर 3.39 किमी मेट्रो का अंडरग्राउंड रूट रहेगा। इस पर भोपाल स्टेशन व नादरा स्टैंड के पास दो अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनेंगे। भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म-6 के बाहर जमीन क्लियर हो गई है। यहां पर एक स्टेशन बनना है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि हमारी कई दौर की बात हो चुकी है। जमीन भी चिह्नित की जा चुकी है। उद्योग विभाग जमीन को तैयार

कर रहा है।

उधर भारत टॉकीज के आसपास के अलावा ईरानी डेरा में भी तीन आरा मशीनें हैं। इनके संचालकों को हटाने के लिए नोटिस जारी किए जा चुके हैं। हालांकि अभी तक इन्हें कहीं जगह नहीं दी गई है। टिंबर मर्चेंट एसोसिएशन का कहना तो यह है कि हम तो शिफ्टिंग के लिए तैयार हैं। बस प्रशासन जमीन को विकसित कर हमें प्लॉट दे दें। हम डीआईसी के रेट पर भी जमीन तक लेने को तैयार हैं।

वर्ष 1975 से है शिफ्टिंग की योजना !

खास बात यह कि भारत टाकीज क्षेत्र के पास की आरा मशीनों की शिफ्टिंग की बात पिछले 49 साल से चल रही है। 1975 में भोपाल के पहले मास्टर प्लान में आरा मशीनों की शिफ्टिंग की जरूरत बताई गई थी। रेलवे लाइन के किनारे शहर के बीच में इन्हें खतरनाक माना गया था। बीडीए ने चांदपुर में काम शुरू किया था, लेकिन बजट की कमी के कारण मामला अटक गया और वहां अतिक्रमण हो गए। मेट्रो रूट तय होने पर 2019 में इनकी शिफ्टिंग की कवायद दोबारा शुरू हुई। अब तक 8वीं जमीन चिह्नित की जा चुकी हैं। इनमें से पहले मिलीं 7 जमीनों पर अतिक्रमण हो चुके हैं। अब आरा मशीन संचालकों ने कलेक्टर से मिलकर जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के दाम पर जमीन तक लेने की मंशा जाहिर की है।

मप्र मानव अधिकार आयोग

फुटओवर ब्रिज की लिफ्ट बंद होने से बुजुर्ग और विकलांग परेशान

कलेक्टर-आयुक्त को जांच के निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के पांच मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला नर्मदापुरम रोड स्थित आईएसबीटी के पास आवागमन के लिए बने फुटओवर ब्रिज की लिफ्ट बंद होने के कारण बुजुर्ग और विकलांगों को आवागमन में परेशानी होने का है। आयोग के संज्ञान में आया है कि फुट ओवर ब्रिज पर दोनों साइड में लिफ्ट लगाई थी, जोकि अधिकांश समय या तो बंद रहती है या उसमें ताला लगा रहता है। इस कारण सड़क की लेन पार करने में एवं फुट ओवर ब्रिज से आवाजाही करने में बुजुर्गों एवं विकलांगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए है। इसके साथ ही यवस्थाओं एवं सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी तलब किया है।

इन मामलों में भी जवाब तलब: आयोग ने शहर में 12 नंबर स्टॉप स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में बनी 480 फ्लैट इमारत के जर्जर होने, सूखी सेवनिया में सब स्टेशन

से तीन कि.मी. दूर एक कॉलोनी में बिजली लाइन डालने के काम के दौरान एक निजी ठेकेदार द्वारा बिजली कर्मचारी को बिना सेफ्टी संसाधन के ही चालू लाइन में 20 फीट ऊंचे खंभे पर काम कराने, महिला पुलिस थाने में पी?ित महिलाओं की एफआईआर नहीं लिखे जाने और हमीदिया रोड स्थित वर्धमान दवा बाजार में जगह-जगह एवं दुकानों के सामने रोड पर सीवेज का दूषित जलभराव होने का के मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

इंटरनेशनल अबेकस में संतनगर के 10 को ट्राफी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

अंतरराष्ट्रीय अबेकस प्रतियोगिता में संतनगर के 10 बच्चों ने ट्रॉफी हासिल की। प्रतियोगिता दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित की गई थी, जिसमें 30 देशों के 6000 छात्रों ने भाग लिया। भारत के 24 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के छात्रों ने भी भाग लिया। प्रतियोगिता में गणित के जोड़-घटना, गुणा और भाग से जुड़े 200 सवालों को 8 मिनट में हल करना था। संतनगर की अबेकस एकेडमी 10 बच्चों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, सभी ने रनर अप की ट्रॉफी हासिल की। संस्थान के संचालक संतोष सिंह तोमर ने बताया कि प्रतियोगिता में वंश चोटवानी फर्स्ट रनर अप बनी। प्रीशा रामचंदानी, मीत करमचंदानी व अरनव चौहान सेकंड रनर अप रहे। सक्षम दागी, अंजली मिश्रा, इशिता पाटिल और ऋषिका सिंह ने थर्ड रन अप ट्रॉफी हासिल की।

क्रेडाई कार्यकारिणी की बैठक

भोपाल। आज राजधानी में क्रेडाई एमपी की कार्यकारिणी समिति बैठक हो रही है इसकी मेजबानी भोपाल शाखा कर रही है क्रेडाई मध्यप्रदेश के वर्तमान अध्यक्ष जबलपुर के धीरज खरे के नेतृत्व में आयोजित बैठक में प्रदेश के 10 से अधिक सिटी चैप्टर के सदस्य भाग ले रहे हैं। मेजबान अध्यक्ष मनोज मीक ने पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस बैठक से पूरे मध्यप्रदेश में रियल एस्टेट क्षेत्र की चुनौतियों और विकास के मुद्दों पर ठोस निर्णय और प्रस्ताव पारित होने की उम्मीद है। क्रेडाई भारत का सबसे बड़ा रियल एस्टेट संगठन है, जो देश के 15,000 से अधिक डेवलपर्स को जोड़ता है और रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता व विकास को बढ़ावा देता है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास प्रयाग महाकुंभ में 10 जनवरी से लगाएगा ज्ञान महाकुंभ

विश्व संवाद केंद्र में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने दी जानकारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास विश्व के सबसे बड़े धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समागम प्रयाग महाकुंभ में 10 जनवरी से 10 फरवरी के बीच ज्ञान महाकुंभ आयोजित करेगा। इस महाकुंभ में देश के शिक्षा जगत से छात्र, आचार्य, शिक्षाविद्, शोधार्थी, शिक्षा से जुड़े शासन-प्रशासन के पदाधिकारी, निजी शैक्षिक संस्थाओं के प्रतिनिधि आदि मिलकर देश की शिक्षा में आधारभूत परिवर्तन की प्रक्रिया को गति देने हेतु चिंतन-मंथन करेंगे। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ज्ञान महाकुंभ के मुख्य संरक्षक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं संरक्षक विष्णुदेव साय हैं। ज्ञान महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा के केन्द्रीय संस्थानों के पदाधिकारी, केन्द्रीय एवं राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, तकनीकी एवं व्यावसायिक संस्थानों के निदेशक, निजी विश्वविद्यालयों एवं शैक्षिक संस्थानों के कुलाधिपति, कुलपति, अध्यक्ष-सचिव तथा प्रधानाचार्य, आचार्य (शिक्षक) महिलाएं एवं छात्र समुदाय आदि सहभागिता करेंगे। ज्ञान महाकुंभ-2081 में 10 जनवरी को उद्घाटन समारोह, 31 जनवरी को हरित महाकुंभ का आयोजन, 1 फरवरी 'एक राष्ट, एक नामः भारत -राष्ट्रीय संगोष्ठी' आयोजित की जाएगी। साथ ही एक माह तक शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन, साहित्य वितरण, विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं एवं वैदिक गणित, सूचना प्रौद्योगिकी का शिक्षण, संस्कृत सम्भाषण वर्ग आदि कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

विद्युत नियामक आयोग में नियुक्ति के लिए चयन समिति गठित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य शासन द्वारा मप्र विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए पैनल का चयन करने चयन समिति का गठन किया गया है। चयन समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रूपेश चंद्र वार्ष्णेय होंगे। मुख्य सचिव, मप्र शासन और अध्यक्ष केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण समिति के सदस्य होंगे।

मेट्रो एंकर

लाइफ लाइन स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने बनाए मॉडल

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

लाइफ लाइन स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक मॉडल बनाकर अपनी विज्ञान संबंधी समझ रखी। इस अवसर पर अध्यक्ष भोले का दरबार के हीरो हिन्दू ने कहा कि आज के बच्चों में वैज्ञानिक तकनीक की अपार क्षमता है, विज्ञान के बिना हमारा जीवन असंभव है। बच्चे अपना लक्ष्य को पाने के लिए आगे बढ़े, इसमें शिक्षक की बच्चों के ऊपर भरपूर सहयोग होना चाहिए। र्यक्रम में स्कूल की संचालिका किरण वाधवानी, नानक दादलानी, प्रभुदास मूलचंदानी, अशोक तनवानी, मधु घनश्यानी, प्रवीण होतवानी, रवि लालवानी, ललित अजीत व अन्य गणमान्य नागरिक एवं अभिभावक मौजूद रहे।

सीएम ने ऐसे सभी कलेक्टरों को समाधान ऑनलाइन में लगाई फटकार

तीन कलेक्टरों को फटकार, बाकी के लिए डेडलाइन तय

भोपाल, दोपहर मेट्रो। समाधान ऑनलाइन में शुक्रवार रात को गुना, बैतूल व दतिया कलेक्टरों को सीएम डॉ. मोहन यादव ने जमकर फटकार लगा। इन जिलों में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करने वाले आवेदकों की सुनवाई में देरी हुई थी, जिस पर कलेक्टरों ने ध्यान नहीं दिया। बाकी के कुछ जिलों ने जन कल्याण पर्व और अभियान के तहत दिए लक्ष्यों को पूरा नहीं किया। राजस्व महाभिया के लक्ष्यों में भी पिछड़े हुए हैं। इन तीनों का लक्ष्य लोगों को सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ देना, उनकी वाजिफ शिकायतों को सुनना और उनका निराकरण कराना था। इस काम में कुछ जिले पिछड़ गए। जिस पर सीएम ने ऐसे कलेक्टरों को लक्ष्य हासिल करने के लिए 22 जनवरी की डेडलाइन दी है।

बैतूल, गुना व दतिया में शिकायतकर्ताओं की समय पर सुनवाई नहीं की

कई कलेक्टरों ने जन कल्याण पर्व व अभियान के लक्ष्य ही हासिल नहीं किए

संवदेनशील मुदृदों पर भी कलेक्टर गंभीर नहीं दिखे

समाधान ऑनलाइन में सामने आया कि गुना जिले के समंदर सिंह के परिजन की सर्पदंश से मौत हो गई, फिर भी उसे राहत राशि के लिए चक्कर लगवाए गए। सीएम ने पटवारी को निलंबन और संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। दतिया जिले के ऋषि पुरोहित ने बताया कि उसकी खुद की जमीन दूसरे को आवंटित कर दी, शिकायत पर अधिकारी सुनवाई भी नहीं कर रहे हैं। वह सवा साल से परेशान है। सीएम ने दोषी पटवारी को निलंबित करने के निर्देश दिए। बैतूल के चंद्रप्रकाश धोटे ने बताया कि बंटवारे के आवेदन पर लंबे समय तक कार्रवाई नहीं की। जबकि वह प्रत्येक स्तर पर गया था। उसे लगातार अनसुना किया गया। जबकि इसी भी राजस्व महाभियान के तहत ऐसे प्रकरणों को बिना शिकायत के निराकरण करना था।

सीएम बोले- जनहित से जुड़ा कोई विषय लंबित न रहे

समाधान ऑनलाइन के माध्यम से सीएम ने सभी कलेक्टरों को कहा है कि जनहित से जुड़ा कोई भी विषय लंबित नहीं रहना चाहिए। शिकायतों को समय पर हल नहीं किया तो संबंधित अधिकारी को परिणाम भुगतने होंगे। जिलों में राजस्व, छात्रवृत्ति वितरण समेत योजनाओं की स्वीकृति और योजनाओं की राशि प्रदान करने के कोई भी काम लंबित नहीं होने चाहिए। किसी भी काम को पूरा करके छोड़ें। आधा-अधूरा न रहने दें, इसकी वजह से जनता परेशान होती है। जैसे बंटवारा आदेश ही पर्याप्त नहीं है, उसे नक्शे में भी दर्शाएं। नामांतरण और सीमांकन के कामों में भी प्रक्रिया पूरी करें। साइकिल वितरण, गणवेश, किताब, छात्रवृत्ति एवं छात्रावास की सुविधा एवं छात्रावास ना उपलब्ध होने पर किराए पर लिए गए कक्ष का किराया समय पर दिलवाएं। स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए जन जागरुकता लाएं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश आगे रहा था। अभी भी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रयास बढ़ाने की आवश्यकता है। परीक्षा प्रणाली, टास्क फोर्स समिति की बैठक, भवन विहीन स्कूलों में व्यवस्थाएं, इन पर ध्यान दें। स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नामांकन में प्रदेश अपेक्षाकृत पीछे है। प्रदेश को प्रथम 5 राज्यों में लाना है, इस दिशा में अभी से काम शुरू कर दें।

कांग्रेस प्रवक्ताओं की नई टीम में दरारें, रोकनी पड़ी सूची

पटवारी का यू-टर्न, दिग्गजों के भी नाराज होने से हडकंप

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस में प्रवक्ताओं की टीम का पुनर्गठन और आधे घंटे बाद ही इस पर रोक लगा देने का मामला सुर्ख हो गया है। इस सूची के पीछे वरिष्ठ नेताओं की नाराजगी के अलावा कुछ प्रवक्ताओं के बीच की तनातनी और एक दूसरे के साथ एडजस्ट नहीं करने की जिद भी इसकी वजह बनी है। कुछ ने इस्तीफे की बात भी कह डाली। इसके बाद सूची रोकी गई। हालांकि लिस्ट जारी करने से पहले अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सभी प्रवक्ताओं की बैठक ली थी और निर्णय की जानकारी दी थी, उन्होंने बैठक में इस नयी टीम से उनके मुद्दे व सरकार को घेरने के आइडिये पर भी बात की थी, लेकिन बैठक खत्म होने के एक घंटे बाद ही बवाल होने लगा।

खास बात यह है कि लंबे समय बाद मीडिया टीम में बदलाव हुआ था इसके संकेत पंद्रह दिन पहले पटवारी ने प्रवक्ताओं की बैठक में दे दिये थे। लिहाजा कल करीब तीन दर्जन प्रवक्ताओं और आठ मीडिया पैनलिस्ट की सूची जारी हुई। जानकार सूत्र बताते हैं कि दिग्विजय सिंह के समर्थक केदार सिरोही, कमलनाथ समर्थक संगीता शर्मा, अरुण यादव समर्थक रोशनी यादव, नीलाभ शुक्ला को बाहर करने से बवाल शुरू हुआ। बताया जाता है कि कुछ प्रवक्ताओं की टीम में वापसी से भी पुराने प्रवक्ता भडके हुए थे। इनमें एक ग्वालियर अंचल का है तो दूसरा भोपाल का। वहीं पिछली टीम में प्रवक्ता रहे अमित शर्मा को भी बाहर कर दिया गया। कुणाल चौधरी, विपिन वानखेड़े भी बाहर रखे गये लेकिन इसके पीछे कारण यह भी रहा कि यह नेता अब कार्यकारिणी में पदाधिकारी हैं।

इधर कांग्रेस से भाजपा में आए प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने इस पर चुटकी ली है। उन्होंने लिखा कि बड़े दिग्गज नेताओं के अलावा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के एक भी समर्थक को मीडिया टीम में जगह नहीं मिली। लिहाजा सूची जारी होते ही सभी बड़े नेताओं ने जमकर नाराजगी दिखाई। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने अभी कुछ दिन पूर्व ही जीतू पटवारी व उमंग सिंघार को बुलाकर समन्वय की जरूरी हिदायतें दी थीं।

इन्हें बनाया प्रवक्ता, फिर स्थगित की सूची

पटवारी ने भूपेंद्र गुप्ता, अभिनय बरोलिया, रवि सक्सेना, अब्बास हफीज, अवनीश बुंदेला, जितेन्द्र मिश्रा, संतोष सिंह परिहार, विवेक त्रिपाठी, रवि वर्मा, मिथुन अहिरवार, अपराजिता पांडेय, स्वदेश शर्मा, अजीत सिंह भदौरिया, राम पांडेय, संतोष गौतम, हर्ष जैन, हिमानी सिंह, अमित चौरसिया, आनंद जाट, स्पर्श चौधरी हिदायत उल्लखान, गुड्डू राजा, अंबिका शर्मा, संदीप सबलोक, रीतेश त्रिपाठी, फिरोज सिद्दीकी, सुनील मिश्रा कटनी, सिद्धार्थ राजावत, विवान खोंगल, धर्मेंद्र शर्मा, शरीफ खान, रामसिया भारती, अमित तावड़े, गुंजन शुक्ला, आनंद जैन कासलीवाल, शहरयार खान, राहुल राज, कुंदन पंजाबी, सिद्धार्थ माहोलकर, डॉ. रमेश काकोडिया को टीम में रखा था। जबकि झूमा सोलंकी, प्रतिभा विक्टर, नेहा लिम्बोदिया, ज्योति पटेल, नेहा पालीवाल, प्रदीप अहिरवार, तनय अग्रवाल, सीताशरण सूर्यवंशी को पैनल में रखा था।

स्कूलों में आयोजित हुए ऊर्जा संरक्षण जागरूकता शिविर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस इंदौर के अंतर्गत आने वाले टी.एल.एम. उपसंभाग द्वारा विभिन्न शासकीय विद्यालयों में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक, सजग और सचेत रहने के लिये सरल भाषा में आवश्यक जानकारियां दी गई एवं विद्यालयों में ऊर्जा संरक्षण संबंधित स्टीकर, पम्पलेट भी वितरित किए गए। एमपी ट्रांसको इंदौर की अधीक्षण अभियंता नीलम खन्ना की पहल और मार्गदर्शन में यह जागरूकता अभियान इंदौर, मंदसौर, राजगढ़, छैगांव, जुलवानिया, निमरानी, सुवासरा आदि स्थानों में आयोजित किए गए। शिविरों में विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकों एवं समस्त विद्यार्थियों ने उत्साह और उत्सुकतापूर्वक ऊर्जा संरक्षण के महत्व, विद्युत बचाने के तरीके और ऊर्जा संरक्षण के प्रति सभी को प्रेरित करने की आवश्यकता को समझा। विद्यार्थियों ने बारीकी से स्टार रेटिंग वाले फ्रिज, वाशिंग मशीन, पंखे, कूलर आदि के उपयोग से बिजली बचत की प्रक्रिया समझी और ''बिजली का बचत ही बिजली का उत्पादन है'' के स्लोगन को समझते हुये बिजली बचत की शपथ ली।

मंत्री सारंग निरीक्षण करने पहुंचे सीएम राइज स्कूल, निर्माण में देरी पर अधिकारियों को लगाई फटकार

सहकारिता मंत्री बोले : जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी और इस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

करोंद क्षेत्र स्थित निर्माणाधीन सरदार पटेल सीएम राइज स्कूल में औचक निरीक्षण पर पहुंच सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी जाहिर की। इस दौरान उन्होने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि कार्य में तेजी लाई जाए और निर्माण में पायी गई कमियों को जल्द दूर किया जाए। मंत्री सारंग ने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी और इस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री सारंग ने स्कूल के डिजाइन और क्लॉस-रूम के स्पेस को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बच्चों की संख्या के अनुसार पर्याप्त स्थान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्कूल के मुख्य भवन में बने कॉरिडोर का भी निरीक्षण किया। कॉरिडोर की चौ?ाई बच्चों की संख्या के लिहाज से कम होने पर उन्होंने निर्देश दिए कि कॉरिडोर के पास बनी असेंबली एरिया को बंद करने के बजाय खुला रखा जाए, ताकि विद्यार्थियों को पर्याप्त स्थान मिल सके। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी बीडीए प्रदीप जैन, अधीक्षण यंत्री बीडीए यतीश जैन, नगर निगम आयुक्त टीना यादव और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्री सारंग ने स्कूल निर्माण में फायर सेफ्टी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और तय मानकानुसार फायर सेफ्टी की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। मंत्री सारंग ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इसे शीघ्र पूरा किया जाए।

30 करोड़ रुपए की लागत से होगा तैयार

सरदार पटेल सीएम राइज स्कूल का निर्माण लगभग 30 करो? रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह स्कूल अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा, जिससे विद्यार्थियों को एक समृद्ध और सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विद्यालय परिसर में 34 क्लॉस-रूम, लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस रूम, किचन स्टोर सहित डायनिंग हॉल, 5 लेब, स्टाफ रूम सहित विभिन्न सुविधाएं विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध होंगी।

गांव की बेटी व प्रतिभा किरण योजना के आवेदन हुए शुरू

नवीन एवं नवीनीकरण के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर होंगे आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित गाँव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना के अंतर्गत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के ऑनलाइन नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन सुविधा प्रारंभ कर दी गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग से संबद्ध समस्त विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित समस्त पात्र छात्राएं गांव की बेटी योजना एवं प्रतिभा किरण योजना के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। छात्राएं पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। सभी विश्वविद्यालय के कुलसचिवों एवं शासकीय-अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यों को सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के आवेदन सुनिश्चित कराने के लिए भी निर्देश जारी किए गए है।

पश्चिम मध्य रेल

इंजीनियरिंग विभाग, खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांक-** डीआरएम डब्ल्यू-जे.बी.पी. 242-2024 दिनांक 31.12.2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित-** मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर के अधीन दो विविध कार्य- भाग ए- इटारसी - जबलपुर खंड में सहायक मंडल अभियंता नरसिंहपुर अनुभाग के अंतर्गत नरसिंहपुर में पाइपलाइन के साथ 90000 लीटर (18 मीटर स्टेजिंग) क्षमता के आरसीसी ओवरहेड टेंक और गाडरवारा (18मीटर स्टेजिंग) स्टेशन पर 2.75 लाख लीटर क्षमता के आरसीसी ओवरहेड टेंक के प्रावधान द्वारा कर्मचारियों की सुविधाओं के रूप में रेलवे कॉलोनी में जल आपूर्ति व्यवस्था के विस्तार का कार्य, भाग बी- सहायक मंडल अभियंता पिपरिया सब डिवीजन के अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट पिपरिया रेलवे स्टेशन पर बीएसएस सर्वर/निगरानी कक्ष का प्रावधान, **कार्य का अनुमानित मूल्य-** 2,01,82,738/-, **बयाना राशि रूपये-** 2,50,900/-, **समापन अवधि-** 12 माह, **निविदा सूचना क्रमांक-** डीआरएम डब्ल्यू-जे.बी.पी. 243-2024 दिनांक 31.12.2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित-** मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत इटारसी जबलपुर खंड के गुरमखेड़ी, बनखेडी, गाडरवारा, बोहनी, करकबेल और भेडाघाट स्टेशनों पर लाईनों के सीएससएल (क्लियर स्टैडिंग लंबाई)/सीएसआर(क्लियर स्टैंडिंग रूम) के विस्तार का कार्य, **कार्य का अनुमानित मूल्य-** 1,46,33,291/-, **बयाना राशि रूपये-** 2,23,200/-, **समापन अवधि-** 12 माह, **निविदा सूचना क्रमांक-** डीआरएम डब्ल्यू-जे.बी.पी. 244-2024 दिनांक 31.12.2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित-** इटारसी - जबलपुरः सहायक मंडल अभियंता नरसिंहपुर सब डिवीजन - विभिन्न खंडो पर ट्रेक के किनारे साइड ड्रेन का प्रावधान (किमी 902/0-923/0 अप और डाउन), **कार्य का अनुमानित मूल्य-** 1,51,29,574/-, **बयाना राशि रूपये-** 2,25,700/-, **समापन अवधि-** 12 माह, **निविदा सूचना क्रमांक-** डीआरएम डब्ल्यू-जे.बी.पी. 01-2025 दिनांक 02.01.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित-** मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर के अधीन रेलवे बोर्ड द्वारा नए दिशानिर्देशों के अनुसार स्टेशन पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान/सुधार कार्य (एफओबी के अलावा), **कार्य का अनुमानित मूल्य-** 3,39,72,058/-, **बयाना राशि रूपये-** 3,19,900/-, **समापन अवधि-** 15 माह, **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15:00 बजे तक-** 24.01.2025, **निविदा खुलने का समय 15:15 बजे तिथि-** 24.01.2025, उपरोक्त ई निविदा के संपूर्ण जानकारी वेबसाईट https://ireps.gov.in उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के आलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

संपादकीय

स्कूल बढ़े तो छात्र घटने लगे

देश में स्कूली शिक्षा की स्थिति पर बीते कई दशकों से नई नई चिंता उभरकर सामने आती हैं। इनमें सबसे बडी समस्या या चिंता यह है कि बच्चों को स्कूल भेजा तो जाता है लेकिन वह बीच में से पढाई छोड देते हैं,इसके पीछे आर्थिक व सामाजिक कारण हो सकते हैं। इसीलिये दसवी बारहवी तक आते आते बडी मात्रा में बच्चे स्कूल व शिक्षा का दामन छोड रहे हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि स्कूलों की संख्या बढ रही है लेकिन यदि इसका लाभ बच्चे नहीं उठा पायेंगे तो प्रयास अधूरे ही रह जायेंगे। दरअसल, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से संचालित डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, यह ऐसी दिक्कते हैं जिन्हें दूर किया जाना अभी बाकी है। रिपोर्ट में यह बात स्थापित होती है कि बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर हुई है। करीब 90 फीसदी स्कूलों में बिजली और जेंडर स्पेसिफिक टॉयलेट जैसी सुविधाएं हैं। लेकिन अगर डिजिटल सुविधाओं की बात की जाए तो स्कूलों के बीच गहरी खाई दिखती है। मसलन, फंक्शनल कंप्यूटर महज 57.2 फीसदी स्कूलों में उपलब्ध है और 53.9 फीसदी स्कूलों के पास इंटरनेट ऐक्सेस है। हालांकि, इस मामले में पिछले वर्षों में हुई प्रगति का अंदाजा इस तथ्य से होता है कि 2021-22 की इसी प्लस रिपोर्ट के मुताबिक 66 प्रतिशत स्कूलों में इंटरनेट कनेक्शन नहीं थे। यह तथ्य भी गौरतलब हो जाता है कि देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन एनरोलमेंट में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई है, वहीं इनमें होने वाला स्टूडेंट्स एनरोलमेंट 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी कैटिगरीज यानि लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक ड्रॉपआउट यानी स्टूडेंट्स के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्टेज में होने वाली बढ़ोतरी ध्यान देने लायक है। मिडिल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। जानकारों के मुताबिक, इसके पीछे ओबीसी और एससी एसटी कैटिगरी के स्टूडेंट्स को दाखिले के डॉक्युमेंटेशन प्रॉसेस के दौरान होने वाली मुश्किलों और प्री-मैट्रिक व पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है। एक और अहम पहलू है टीचर्स और स्टूडेंट्स के अनुपात यानी पीटीआर का। इस मामले में विभिन्न राज्यों के बीच अंतर विशेष रूप से ध्यान खींचता है। एक तरफ झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य हैं, जहां सेकंडरी लेवल पर पीटीआर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तय मानक यानी 30:1 से भी ज्यादा है तो दूसरी ओर असम, ओडिशा और कर्नाटक जैसे राज्य काफी पीछे नजर आते हैं। कुल मिलाकर, देश में स्कूली शिक्षा को बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर दिखता है। लेकिन इस दौरान नई चुनौतियां भी उभर रही हैं, जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। यूनिवर्सल एजुकेशन के लक्ष्य को ध्यान में रखें तो ड्रॉपआउट के ट्रेंड्स और पीटीआर पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अन्यथा आने वाली पीढी को शिक्षित करने के प्रयास कभी सिरे हीं नहीं चढ पायेंगे और सभी राज्यों में शिक्षा का प्रतिशत भी नहीं सुधरेगा। यानि स्कूल चलें हम जैसे अभियान चलते तो खूब हैं लेकिन स्कूल तक पहुंचना और वहां पर बच्चों का टिका रहना व असल फायदा उठाना महत्वपूर्ण है।

> निर्लज्ज हारकर भी नहीं
> हारता, मरकर भी नहीं मरता।
> - जयशंकर प्रसाद

आज का इतिहास

- 1604: शहजादा सलीम की बगावत नाकाम होने के बाद उन्हें बादशाह अकबर के हुजूर में पेश किया गया।
- 1906: प्रिंस ऑफ वेल्स (जो बाद में किंग जार्ज पंचम बने) ने कलकत्ता (कोलकाता) में विक्टोरिया मेमोरियल हॉल की आधारशिला रखी।
- 1948: दक्षिण पूर्व एशियाई देश बर्मा (म्यांमार) को ब्रिटेन से आजादी मिली।
- 1958: न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी ने दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखा।
- 1964: वाराणसी लोकोमोटिव वर्क्स में डीजल का पहला लोकोमोटिव बना।
- 1966: भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और पाकिस्तान के तत्कालीन जनरल अयूब खान के बीच भारत-पाकिस्तान सम्मलेन की शुरुआत।
- 1972: नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनालॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस का उद्घाटन।
- 1990: पाकिस्तान में दो ट्रेनों की टक्कर में करीब 307 लोग मारे गए।
- 1998: बांग्लादेश ने भारत को उल्फा महासचिव अनूप चेतिया को सौंपने से इनकार किया।
- 1999: मंगल ग्रह पर भाप का विश्लेषण करने के लिए अमेरिकी यान 'मार्स पोलर लैंडर प्रोब' का प्रस्थान।
- 2002: ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भारत पहुंचे।
- 2004: भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री जमाली के बीच इस्लामाबाद में वार्ता।
- 2008: अमेरिका ने श्रीलंका को सैन्य उपकरणों की आपूर्ति पर रोक लगाई।
- 2010: भारत में स्टॉक एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के आदेश पर शेयर मार्केट के खुलने का समय एक घंटा पहले सुबह 9 बजे किया गया।
- 2010: संयुक्त अरब अमीरात के दुबई स्थित बुर्ज खलीफा को आधिकारिक तौर पर खोला गया।
- 2020: भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास।

निशाना

चल रही तलाश !

-कृष्णेन्द्र राय

बनें नए समीकरण।
चल रही तलाश।।
लाना अलग चेहरे।
जगी ऐसी प्यास।।
करना सब नवीन है।
आए नई बहार।।
चाह रहे हम करना को।
जनता पर उपकार।।
किए यदि सुधार।
तय मिलना है फल।।
कार्यकर्ताओं को।
मिल जाए कुछ बल।।
रणनीति ही ऐसी।
है हमने बनाई।।
उब गए हैं हम।
हुई जो जगहंसाई।।

आर्थिक मंदी की आहट कीजिए महसूस

■ सुबीर रॉय

लगता है भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी गति से नीचे की ओर जा रही है- 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने के पिछले अनुमान की बनिस्बत अब इसे 6.4 प्रतिशत बताया जा रहा है। बहुत से वैश्विक विश्लेषकों का कहना है कि अगले वित्तीय वर्ष में भी रफ्तार यही बनी रहने की उम्मीद है। स्पष्ट है हमारी अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से शिथिलता की ओर जा रही है।यद्यपि धीमी चाल पर भी, भारतीय अर्थव्यवस्था की गति अधिकांश अन्य बड़े देशों की तुलना में अधिक रहेगी। तभी तो, इस मंदी से नेतृत्व को इतनी चिंता नहीं हो रही है क्योंकि यह अभी भी स्थायित्व वाले स्तर पर बनी रहेगी। लेकिन मंदी का कारण और उसका उपाय खोजना महत्वपूर्ण है क्योंकि लोगों का एक बड़ा वर्ग अभी भी बहुत गरीब है। इससे भी खराब यह कि अमीर-गरीब की आय में बहुत अंतर है, केवल एक छोटा वर्ग ही देश की उच्च अर्थव्यवस्था के फल का लाभ उठा रहा है। वर्ष 2022-23 में, भारत की सकल राष्ट्रीय आय का 22.6 प्रतिशत अंश आबादी के शीर्ष एक फीसदी अमीरों के हाथ गया। इसके अलावा, ग्रामीण-शहरी अंतर भी है। ग्रामीण भारत में जरूरत की चीजों पर खर्च प्रति व्यक्ति 3,773 रुपये था, जबकि शहरी भारत में यह 6,459 रुपये रहा। इस प्रकार, अर्थव्यवस्था में शहरी उपभोग का ही अधिक महत्व है।

मंदी का मुख्य कारण अपर्याप्त क्रय-शक्ति है। शहरी मध्यम वर्ग पर यह कारक विशेष रूप से लागू है, जो कि समग्र मांग का मुख्य प्रेरक है। इसके परिणामस्वरूप उपभोग आधारित उत्पादक कारोबार में सुस्ती आएगी। ये पूरे वेग से आगे नहीं बढ़ पाएंगे। लिहाजा, कंपनियां कम कर्मचारियों को काम पर रखेंगी। इससे मांग में आगे कमी बनेगी और सकल उपभोग में मंदी बढ़ेगी। ग्रामीण भारत में, स्थिति और भी बदतर है। आजीविका चलाने के लिए, पुरुषों की कमाई अपर्याप्त होने के चलते गांवों के परिवारों की महिलाओं को काम करना पड़ता है। लेकिन, वास्तव में, यह महिलाएं किसी कंपनी या कारखाने में नहीं, बल्कि खेतों में काम कर रही हैं। इसलिए, एक फैक्टरी मजदूर जितनी आय भी उनकी नहीं है। उच्च विकास दर दो ताकतों- विनिर्माण और सेवाओं के बढ़ने से बनती है। लेकिन जैसा कि पहले बताया गया है, अब तक मजबूत रहे विनिर्माण क्षेत्र में भी मंदी जारी है। अगर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं खेतों में काम की बजाय कारखानों में जातीं, तो व्यापक आधार पर विकास होता। उद्योगों एवं सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में बहुत अधिक पूंजी निवेश होने से ही उच्च विकास दर संभव हुई थी, इसमें भी, आधारभूत ढांचे में यह वृद्धि अधिक सार्वजनिक निवेश के माध्यम से संभव हुई थी।

बेहतर सड़कें, बिजली और रेलवे तंत्र ने उद्योग जगत को आशावादी महसूस करवाया और अधिक विकास हुआ। इससे कार, ट्रक और दोपहिया वाहनों के बाजार में काफी उछाल आया। इसके परिणाम में मध्यम वर्ग के उपभोग व्यय में इजाफा हुआ, खासकर शहरी क्षेत्रों में। किंतु आज यह कारखाने, जो कि ज्यादातर तेजी से बिकने वाले उपभोग के सामान का उत्पादन करते हैं, सुस्त हो रहे हैं। इसलिए, जिस सपने का हम इंतजार कर रहे थे- ग्रामीण क्षेत्रों की अधिक महिलाओं का शहरी क्षेत्रों में कंपनी-कारखानों में अधिक नौकरियां करना- वह फीका पड़ चला रहा है। अब, सेवा क्षेत्र पर नज़र डालते हैं, जो उच्च विकास की अवधि के दौरान अत्यधिक मजबूत बनती चली गयी थी। मजबूत खपत ने कारों, दोपहिया वाहनों, टीवी सेट आदि को ठीक करने वालों के लिए अधिक रोजगार का सृजन किया। जैसे-जैसे विनिर्माण में कमी आएगी, सेवा क्षेत्र की उच्च विकास दर में भी मंदी आने की संभावना है। अब बात करने को बचा हमारा निर्यात सेवा क्षेत्र, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कौशल का पर्याय है, और अब यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करते हुए और ऊपरी स्तर छू रहा है। लेकिन यहां भी, एक नकारात्मक प्रभाव आड़े आ रहा है- विदेशी ग्राहक कंपनियां अब आसपास के लोगों से काम लेने को तरजीह देने लगी हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाएं आव्रजन के मामले में सख्त होती जा रही हैं, अग्रणी भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए निकटवर्ती क्षेत्र में काम तलाशे जाने की ज़रूरत बढ़ेगी। विकसित देशों की कंपनियां स्थानीय प्रतिभा को काम देकर अपना खुद का मानव विकास केंद्र बनाना चाहती हैं।

उज्ज्वल संकेत यह है कि विकसित देशों की बड़ी कंपनियां भारत में अधिक से अधिक उच्च परिष्कृत वैश्विक विकास केंद्र स्थापित कर रही हैं, जिससे उच्च-स्तरीय इंजीनियरिंग नौकरियों का सृजन हो रहा है। यह कुशल भारतीयों के लिए बहुत अच्छी खबर है, लेकिन इनकी कुल संख्या कम है। इन कंपनियों और राष्ट्र द्वारा सेवाओं का निर्यात एक हकीकत है, लेकिन राष्ट्रीय विकास पर इनका कुल प्रभाव न्यूनतम है। धीमी पड़ती आर्थिक वृद्धि और चुनावों की अनिवार्यताओं के मद्देनजर, सरकार ने महिलाओं को नकद अनुदान देने का फैसला किया है। भले ही यह महिला आधारित अर्थव्यवस्था और उपभोग के लिए मांग को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक हो, लेकिन यह एक स्थायी आर्थिक समाधान नहीं है। शुरुआत करने का सही तरीका कृषि में सुधार करना है। इससे कृषि उत्पादकता बढ़ेगी और कृषि से आय में इजाफा होगा। इससे ग्रामीण क्षेत्र में खपत बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। लेकिन अधिक मशीनीकरण, बेहतर बीज और कृषि पद्धतियों की वजह से कम खेतिहर मजदूरों की आवश्यकता होगी। खेत मजदूरों को कारखानों, निर्माण और शहरी सेवा के माध्यम से शहरी इलाके में रोजगार मिले, ताकि नगरपालिकाएं इन्हें शहरी सूखे कचरे के निपटान जैसी सेवाओं में करने को तैनात कर सकें। लेकिन मुख्य मुद्दा यह है कि कारखाना मालिक को अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नई फैक्टरियां लगाने की आवश्यकता कैसे महसूस हो।

इसलिए, काफी जरूरत इस बात की है कि भारतीय रिज़र्व बैंक ब्याज दरें कम करने और मुद्रा आपूर्ति बढ़ाने के लिए तैयार हो। जाहिर है इसमें मुद्रास्फीति में उछाल का जोखिम रहेगा। अभी के लिए, उम्मीद है कि खरीफ की फसल के विपरीत, जो कि आशिक रूप से निराश करने वाली रही, रबी की फसल बढ़िया होगी। मुद्रा का अधिक प्रवाह आपूर्ति कारखानों के माल की मांग बढ़ाएगी, जिससे आस बनेगी कि वे अपनी मशीनरी का विस्तार करेंगे और नए संयंत्र स्थापित करेंगे। इससे पूंजीगत वस्तुओं की मांग बढ़ेगी। सरकार द्वारा किए वित्तीय उपायों से, अधिक कीमत वाली वस्तुओं की मांग बढ़ेगी, अधिक रोजगार सृजन होगा, अधिक सड़कें, पुल और बेहतर कार्यशील रेलवे बन पाएगी।

अंत में जो भी हो, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता है ताकि उच्च मांग से गरीबी में कमी और मध्यम वर्ग की संख्या में वृद्धि हो पाए। लेकिन इस पूरे परिदृश्य में एक पेंच है। अगर जलवायु परिस्थितियां हमें निराश करती हैं, जिससे सूखा, बाढ़ और बेमौसम बारिश बढ़ती फसलों को नुकसान पहुंचे, तो यह सब बेकार चला जाएगा। अगर ऐसा होता है, तो उम्मीद है कि सरकार को अहसास होगा कि कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को स्थापित करना लंबे समय में विनाशकारी है और इसलिए वह सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं पर अधिक ध्यान देगी। यही मुक्ति का मार्ग है।

(साभार : लेखक आर्थिक मामलों के वरिष्ठ विश्लेषक हैं।)

मोदी सरकार के राजनीतिक कौशल की परीक्षा का साल 2025

■ जयसिंह रावत

नए साल 2025 में मोदी सरकार के सामने राजनीतिक परिदृश्य और अधिक चुनौतीपूर्ण होने वाला है। 'एक देश, एक चुनाव' जैसी महत्वाकांक्षी पहल के लिए समर्थन जुटाना आसान नहीं होगा, खासकर जब इस मुद्दे पर विभिन्न दलों की राय विभाजित है। इसके साथ ही आंबेडकर विचारधारा से जुड़े सामाजिक मुद्दों और अडानी प्रकरण पर विपक्ष के तीखे हमलों का सामना करते हुए सरकार को अपनी नीतियों और छवि को मजबूत बनाए रखना होगा। ऐसे में यह वर्ष सरकार के लिए न केवल राजनीतिक कौशल की परीक्षा का होगा, बल्कि जनता के भरोसे को कायम रखने की भी। वक्फ बिल अभी पास नहीं हुआ है और उत्तराखण्ड जैसे राज्य में समान नागरिक संहिता का कानून बन भी चुका है। 2025 का भारत, एक नई राजनीतिक दिशा और संभावनाओं के साथ, गहराते सामाजिक-राजनीतिक विभाजन और असंतोष के दौर से भी गुजर सकता है।पक्ष विपक्ष के बीच प्रतिद्विन्दता दुश्मनी का रूप लेती जा रही है। मोदी सरकार, जो 2024 में चुनाव जीतकर सत्ता में लौटी है, को न केवल अपने एजेंडे को लागू करने की चुनौती होगी, बल्कि विपक्ष और जनता की अपेक्षाओं के बीच संतुलन भी साधना होगा।

मोदी सरकार ने एक देश एक चुनाव का बिल संसद में पेश तो कर दिया, लेकिन एक साथ चुनाव कराना इतना आसान नहीं है। यह विचार भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण और विवादास्पद मुद्दा है। इसे लागू करने के लिए संविधान में संशोधन और व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता है। मोदी सरकार के लिए इसे पास करना कई कारणों से चुनौतीपूर्ण होगा। इसे लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 83, 85, 172, 174, और 356 में संशोधन करना पड़ेगा। सरकार की इस पहल को लेकर कानूनी चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। इस पर अदालतों में याचिकाएं दायर हो सकती हैं। न्यायपालिका का दृष्टिकोण भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होगा। इसके लिये संविधान संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत और आधे से अधिक राज्यों की विधानसभाओं की मंजूरी आवश्यक है। जबकि विपक्षी दल इसे सत्ता के केंद्रीकरण और संघवाद के लिए खतरा मानते हैं। क्षेत्रीय दल, जिनकी राजनीति राज्य स्तर पर केंद्रित है, इसे अपने अधिकारों में हस्तक्षेप मान सकते हैं। इसलिए एनडीए घटकों का समर्थन जुटाना ही चुनौतीपूर्ण होगा। मौजूदा व्यवस्था में बदलाव करने से संवैधानिक संकट उत्पन्न हो सकता है, जैसे कि राज्यों की विधायिकाओं का कार्यकाल छोटा या बड़ा करना। यही नहीं पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए भारी संख्या में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की आवश्यकता होगी। चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों के लिए इसे संभालना कठिन हो सकता है।

वर्तमान में, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के पास समीक्षा के लिए भेजा गया है। विपक्ष इसे अल्पसंख्यक विरोधी नीति बताकर मुद्दा बना रहा है। राज्यसभा में एनडीए के पास बहुमत है, जिससे इस विधेयक को पारित कराना अपेक्षाकृत सरल हो सकता है। हालांकि, विधेयक की संवेदनशीलता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच मतभेदों को देखते हुए, इसे पारित कराने में कुछ चुनौतियाँ आ सकती हैं। क्योंकि अपने मुस्लिम वोट बैंक को देखते हुये सरकार को टिकाये रखने वाले चन्द्र बाबू नायडू और नितीश कुमार इस बिल को समर्थन देने से मुकर सकते हैं। वैसे भी अगर यह बिल पास कराना इतना आसान होता तो सरकार इसे जेपीसी को क्यों भेजती? संसद की संयुक्त समिति की पहली बैठक जल्द ही होने की संभावना है, जो विधेयक की समीक्षा करेगी और आवश्यक संशोधनों पर विचार करेगी। इस प्रक्रिया के बाद, विधेयक को संसद के दोनों सदनों में पारित कराने के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। कुल मिलाकर, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को पारित कराना सरकार के लिए महत्वपूर्ण होगा, लेकिन इसके लिए राजनीतिक सहमति और समर्थन जुटाना आवश्यक होगा।

संसद में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर पर की गई टिप्पणी से उत्पन्न विवाद ने भारतीय जनता पार्टी के लिए राजनीतिक चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। विपक्ष इस बयान को आंबेडकर का अपमान बताते हुए गृह मंत्री से माफी और इस्तीफे की मांग कर रहा है। इस मुद्दे पर भाजपा को घेरने के लिये दिल्ली में डॉ. भीमराव आंबेडकर के सम्मान और उनके विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। जबकि, कांग्रेस जनवरी पहले सप्ताह से ही अम्बेडकर को लेकर सरकार के खिलाफ अभियान चलाने जा रही है। डॉ. आंबेडकर दलित समुदाय के प्रतीक हैं। उन पर की गई किसी भी नकारात्मक टिप्पणी से इस समुदाय में असंतोष बढ़ सकता है, जिससे भाजपा को आगामी चुनावों में नुकसान हो सकता है।2025 में भारत के दो प्रमुख राज्यों, दिल्ली और बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। ये चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए कई कारणों से महत्वपूर्ण हैं। दिल्ली में वर्तमान में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेतृत्व में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। इन चुनावों के परिणाम न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे, जिससे मोदी सरकार की आगामी नीतियों और रणनीतियों की दिशा निर्धारित होगी। दिल्ली विधानसभा के 70 सीटों के लिए चुनाव फरवरी 2025 में संभावित हैं। वर्तमान में, आम आदमी पार्टी सत्ता में है और मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना हैं। कांग्रेस ने अब तक 47 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बिहार में 243 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2025 में होने की संभावना है। वर्तमान में, नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार है।

नये साल मोदी सरकार को विपक्ष से कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जो राजनीतिक, आर्थिक, और सामाजिक मुद्दों पर आधारित होंगी। सबसे पहले विपक्ष का विरोध एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर झेलना होगा। विपक्ष इसे संघवाद के खिलाफ बताते हुए केंद्र सरकार पर राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगा सकता है।

विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस, अडानी समूह से जुड़े विवादों को लेकर सरकार की पारदर्शिता और कॉर्पोरेट कनेक्शन पर सवाल उठाता रहेगा। विपक्ष लगातार महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। मणिपुर जैसी जगहों पर हुई हिंसा और सामाजिक असंतोष को लेकर विपक्ष सरकार पर सवाल उठाता रहेगा। ये मुद्दे सरकार की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक क्षमता पर सवाल खड़ा कर सकते हैं।

विपक्ष सामाजिक न्याय और आरक्षण के विषयों को आक्रामक रूप से उठाते हुए सरकार की नीतियों पर सवाल खड़ा कर सकता है। विशेष रूप से दलित और पिछड़े वर्गों को ध्यान में रखते हुए यह एक बड़ा मुद्दा बनेगा। विपक्ष चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद को लेकर सरकार की विदेश नीति पर हमला बोल सकता है, विशेषकर अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के संदर्भ में।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

जिंदगीभर मनोरंजन करते रहे, आज आत्मरंजन करने विरंजन के साथ बैठे है : विरजंन सागर

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में गणाचार्य श्री विराग सागर जी के षिष्य उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी के ससंघ सानिध्य में 25 मंडलीय समवषरण विधान में सुवह से भगवान श्रीजी का पूजन, अभिषेक व शांतिधारा जगत कल्याण के लिए मंत्रों का उच्चारण मुनि श्री के मुखारविंद की गई। साथ ही समवषरण भूमि पर 108 ध्वज चढाए गए ध्वजो का पूजन किया गया। विधान के अर्घ चढाए गए। मुनिश्री ने अपने प्रवचनो में कहां है कि जिनेन्द्र भगवान की देशना आपके कल्याण की देशना है। अहोसौभाग्य है कि आप सब जिनेन्द्र भगवान की देशना का रसपान कर रहे है। वस्तु के सर्वो को जानने के लिए और अपने आत्म के सर्वो को जाने के लिए आप यहां बैठे है। मनोरंजन तो पूरी जिन्दगी करते रहे है और मनोरंजन के कार्य करते रहे लेकिन आज आत्म रंजन करने के लिए विरंजन के साथ बैठे है। विरंजन के साथ आत्म रंजन के करने के लिए अपनी आत्म के आत्म कषवो को समझने के लिए यहां बैठे है।

जीवन में अनेकवार द्रव्य चढाए है, अनेक बार मंचन कार्य किया, यह सब वाह द्रव्य है, निस द्रव्य की पहचान करना, निज आत्म तत्व की पहचान करना, निज आत्म द्रव्य को पहचानना था, जिसको पहचानाने के लिए तुम्हे पहचानना था उसे नही पहचान पाए जिसको नही पहचानना था उसे पहचान गए। कुछ क्षण के लिए कुछ पल के लिए विचार करना और अपने आपको निहारना और अपने आप की पहचान करना और देखना कि अभी तक अपकी दृष्टी कहां जा रही है। यहां पर भी बैठकर आपकी दृष्टी द्रव्य पर, वस्त्रो पर गई है, आपकी दृष्टि वाह क्रियाओ पर है और यहीं देख रही है कि कितनी सुंदर द्रव्य सजी हुई है, कितना सुंदर पांडाल सजा हुआ है। कितना सुंदर मंडप है लेकिन अभी तुम्हारी दृष्टि भगवान पर नहीं गई, जिनको निहारना था, जिनके गुणो का विचार करना था। जो द्रव्य और सामग्री दिख रही है जो संसार की वस्तुएं दिख रही है इन सबसे आत्मा का स्वभाव भिन्न है। आज जिनकी देशना सुनने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। तत्व चिनतन करना है जो मुझे मिल रहा जो मै प्राप्त कर रहा हूंजो में भोग रहा है यह सब मेरा नही,जो मेरा है वह मुझसे कोई छीन नहीं सकता उसे कोई लूट नहीं सकता है।

कार्यक्रम के दौरान दोपहर में नगर एवं आसपास के सभी वृद्ध माता पिताओ का सम्मान किया गया। संध्याकाल में ब्रम्हचारी अंकित भैयाजी के प्रवचन हुए। साथ ही नगर में महाआरती के लिए हाथी बग्गी और बैंड बाजो के साथ शोभा यात्रा निकाली गई इसके बाद समवषरण विधान में श्रीजी की महाआरती की गई। विभिन्न नाटक नाटिका मंचन किया गया।

जगतगुरु शंकराचार्य का नर्मदापुरम आगमन हुआ

नर्मदापुरम। द्वारका शारदापीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती महाराज का धर्म प्रचार यात्रा के तहत नर्मदापुरम में आगमन हुआ। सनातन धर्मावलंबियों ने पं.सोमेश परसाई के नेतृत्व में पूज्य महाराज श्री का भव्य स्वागत किया।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ, एई और उपयंत्री भी रहे मौजूद

90 लाख के इनडोर स्टेडियम कानिरीक्षण, काम में तेजी लाने के निर्देश

इटारसी। शहर के पलकमती नगर पुरानी इटारसी में 90 लाख रुपए से बन रहे इनडोर स्टेडियम का नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने निरीक्षण किया। इस दौरान सीएमओ रितु मेहरा, एई मीनाक्षी चौधरी, उपयंत्री आदित्य पांडे मौजूद थे। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने यहां निर्माण कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सीएमओ और इंजीनियर्स से कहा कि काम में तेजी लाए। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि यदि इस गति से काम होगा तो काफी समय लगेगा, 6 माह में इनडोर स्टेडियम बन जाए तो इसका लाभ जल्दी ही खिलाडी लेने लगेंगे।

इंडोर स्टेडियम में होगी यह सुविधाएं – कवर्ड एरिया 8000 वर्ग फीट, बैडमिंटन कोर्ट 4200 वर्ग फीट, टेबल टेनिस कोर्ट 1800 वर्ग फीट, जिमनेशियम 1500 वर्ग फीट, कार्यालय 450 वर्ग–फीट, ग्रीन रुम 600 वर्ग फीट, 10 सीटर टॉयलेट।

सावित्रीबाई फुले की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

नर्मदापुरम। सावित्रीबाई फुले का जन्म देश की महिलाओं के विकास की यात्रा में बेहद महत्वपूर्ण दिन है, माता सावित्रीबाई फुले के जन्म जयंती स्थानीय नव अंकुर संस्था में सामाजिक एवं जनमानस ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला। संयुक्त माली सैनी सामाजिक कल्याण समिति के अध्यक्ष अजय सैनी ने माता सावित्रीबाई फुले जयंती पर संबोधित करते हुए कहा कि माता न सिर्फ पहली महिला शिक्षिका थी, बल्कि महान समाज सेविका और नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता भी थीं। उनका पूरा जीवन समाज के वंचित तबके खासकर महिलाओं और दलितों के अधिकारों के लिए संघर्ष में बीता। उनका नाम आते ही सबसे पहले शिक्षा और समाज सुधार के क्षेत्र में उनका योगदान हमारे सामने आता है। वे हमेशा महिलाओं और वंचितों की शिक्षा के लिए जोरदार तरीके से आवाज उठाती रहीं। संयुक्त माली सैनी समाज के सचिव बृजमोहन सैनी ने कहा कि वे अपने समय से बहुत आगे थीं और उन गलत प्रथाओं के विरोध में हमेशा मुखर रहीं। फुले एक महान समाज सुधारक, दार्शनिक,कवयित्री और शिक्षाविद् भी थीं। उनके पति महात्मा ज्योतिराव फुले भी एक प्रसिद्ध चिंतक और लेखक थे। इसी क्रम सतीश बिल्लौरे ने कहा कि फुले का विचार और प्रयास सदैव शिक्षा से समाज के सशक्तिकरण पर गहरा विश्वास था। जब महाराष्ट्र में अकाल पड़ा तो सावित्रीबाई और महात्मा फुले का सामाजिक न्याय का ऐसा उदाहरण विरले ही देखने को मिलता है। जब वहां प्लेग का भय व्याप्त था तो उन्होंने खुद को लोगों की सेवा में झोंक दिया। इस दौरान वे खुद इस बीमारी की चपेट में आ गईं। अंकित सैनी ने संबोधित करते हुए कहा कि उनका मानवता को समर्पित उनका जीवन आज भी हम सभी को प्रेरित कर रहा है।

ग्रामीणों ने गांधी चौक पर शव रखकर दिया धरना, आरोपी को फांसी देने की मांग

6 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म, गला दबाकर की हत्या

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

ग्राम नाहर कोला के टोला नयापुरा के मकान में सो रही 6 वर्षीय बालिका को आरोपी उठा कर ले गया और आधा किलो मीटर दूर नहर के किनारे ले जाकर बालिका के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी। परिजनों के बताए अनुसार पुलिस ने आरोपी को रात में ही गिरफ्तार कर पूछताछ की आरोपी के बताने पर सुबह करीब 5 बजे शव बरामद किया। दूसरी ओर बालिका के परिजनों और गांव वालों ने बालिका के शव को गांधी चौक पर रखकर करीब 2 घंटे 31 मिनिट तक धरना दिया और थाना प्रभारी अनूप सिंह उईके के स्टाम्प पेपर पर लिखित आश्वासन देने के बाद ही धरना आन्दोलन समाप्त किया।

ग्राम नाहरकोला के टोला देवीपुरा की रहने वाली बालिका अपनी मां के साथ मामा के घर नया पूरा गई थी। जहां रात्रि 9ः00 बजे के दरमियान मॉ ने बच्चों को खाना खिलाने के बाद मकान के दहलान में सुला दिया। आरोपी दिन भर से फरियादी के मकान के आस पास मंडरा रहा था। उसने रात में मौका देखकर घर के दहलान में सो रही छह वर्षीय बालिका को उठाकर आधा किलोमीटर दूर नहर के किनारे ले गया।वहां आरोपी ने बच्ची के साथ रेप किया और गला दबाकर हत्या कर दी।

दूसरी तरफ बच्ची के पिता को जब बच्ची के लापता होने का देवीपुरा टोला में फोन से पता लगा तब पिता ने सिवनी मालवा थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घटना स्थल पर पहुंचे जहां एक चश्मदीद के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया और बच्ची की लाश बरामद कराई। पुलिस के व्दारा शव परीक्षण के लिए लाया गया जहां तीन डॉक्टरों की टीम ने पीएम किया। एसडीओपी राजू रजक ने बालिका के साथ रेप होने की पुष्टी की है।

बालिका के शव को गांधी चौक पर रखकर दिया धरना आरोपी को फांसी दो या हमारे हवाले करो के नारे गूंजते रहे

बालिका के शव का पीएम कराने के बाद परिजन शव को लेकर गांव की ओर चल दिये किसी की सलाह पर ट्रेक्टर टॉली से वापस गांधी चौक लाये और शव को रोड पर रखकर धरना देना शुरू कर दिया। थोड़ी ही देर में 2-3 टॉलियां और आ गई जिनमें करीब 500 ग्रामीणों ने 1बजके25 मिनिट से 3 बजकर51 मिनिट तक लगातार 2.26 मिनिट धरना देकर प्रशासन से मांग करते रहे कि आरोपी को तुरन्त फांसी पर चढाया जाये या फिर हम गांव वालों के हवाले किया जाये। थाना प्रभारी अनूपसिंह उईके ग्रामीणों को समझाते नजर आये परन्तु ग्रामीणजन नहीं माने बाद में एसडीएम श्रीमति सरोजसिंह परिहार और एसडीओपी राजू रजक भी घटना स्थल पर पहुंचे। सभी प्रशासनिक अधिकारी, सहित नगर की समाज सेवी किन्नीर सरिता पाण्डें, शिवसेना के पिंटू राठौर, जयस पार्टी के उमेदसिंह जाट सहित अनेक लोगों की समझाईस पर आदिवासी ग्रामीण जन माने तो लेकिन मांग करने लगे कि हमें स्टाम्प पेपर पर लिखकर दो तभी हम धरना आन्दोलन खत्म करेंगे। थाना प्रभारी ने स्टाम्प पेपर पर अपने हस्ताक्षर से लिखकर दिया तब जाकर धरना आन्दोलन समाप्त हुआ।

युवकों की मांग पर व्यापारियों ने तुरन्त बाजार बंद किया

गांधी चौक पर घटनास्थल पर थाना प्रभारी के अतिरिक्त अन्य कोई अधिकारी ना आने पर इकटठा हुए युवाओं ने आक्रोशित होकर बाजार बंद करने के लिए नारे बाजी की। नारेबाजी करते हुए बाजार में निकले और व्यापारियों से बाजार बंद करने की बात कही। व्यापारियों ने बालिक के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करते हुए तुरंत बाजार बंद कर लिया जैसे ही धरना आन्दौलन समाप्त हुआ व्यापारियों ने दुकानें खोला ली

अनुगूंज को सफल बनाने के लिए समितियां गठित, एसएनजी स्कूल में होगा कार्यक्रम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश भोपाल के निर्देश अनुसार संभाग स्तरीय अनुगूंज कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 10 जनवरी 25 को शासकीय एस एन जी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम में किया जाना है। श्रीमती भावना दुबे संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदा पुरम संभाग नर्मदापुरम ने बताया कि अनुगूंज कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 14 समितियो का गठन किया गया है। जिसमें कार्यक्रम आयोजन समिति, कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति, स्वागत समिति एवं मंच साज सज्जा, प्रचार प्रसार समिति, वित्त समिति, दर्शक बैठक एवं अनुशासन व्यवस्था समिति, लाइट साउंड फोटो वीडियोग्राफी लाइव टेलीकास्ट समिति, कार्यक्रम संचालन समिति, स्वल्पाहार व्यवस्था समिति, आमंत्रण पत्र फ्लेक्स बैनर व्यवस्था एवं आमंत्रण पत्र वितरण समिति, प्रतिभागियों की वेशभूषा एवं साज सजजा समिति, विद्युत व्यवस्था समिति, परिवहन एवं पेयजल समिति तथा प्रमाण पत्र लेखन समिति शामिल है। कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में दिनांक 7 जनवरी 2025 को अपराह्न 2ः00 बजे संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम संभाग कार्यालय के सभा कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया है। ज्ञात रहे कि पिछले वर्ष भी अनुगूंज कार्यक्रम नर्मदापुरम में आयोजित किया गया था, जिससे कि पूरे प्रदेश में सराहा गया था। कार्यक्रम के प्रतिभागियों की रिहर्सल शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम, शासकीय एस एन जी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम तथा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम में की जा रही है।

अभा हॉकी प्रतियोगिता के लिए खेल मंत्री को आमंत्रण

इटारसी। नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में जिला हॉकी संघ के सहयोग से 5 से 12 जनवरी तक होने वाली अखिल भारतीय महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता के लिए शुक्रवार को विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल जाकर खेल मंत्री विश्वास सारंग को आमंत्रित किया है। खेल मंत्री ने प्रतियोगिता में आने का आश्वासन दिया है। इटारसी में हॉकी प्रतियोगिता 5 जनवरी से प्रारंभ हो रही है, इसका समापन 12 जनवरी को होगा। इस प्रतियोगिता के लिए खेल मंत्री को आमंत्रित करने आज विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, डीएचए के अध्यक्ष प्रशांत जैन, कार्यकारी अध्यक्ष शिरीष कोठारी, सचिव कन्हैया गुरयानी, नर्मदापुरम मंडल अध्यक्ष भाजपा सागर शिवहरे, राहुल चौरे सहित अनेक प्रतिनिधि भोपाल पहुंचे थे।

मेट्रो एंकर संभाग स्तर पर एकल एवं समूह नृत्य का आयोजन

भारतीय प्राचीन परंपराओं को उत्सव के रूप में मनाए : नारोलिया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में 3 जनवरी को भारतीय ज्ञान परंपरा की अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत संभाग स्तरीय एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन

प्रतियोगिता में भारतीय संस्कृति के लोक नृत्य पर आधारित नृत्य का आयोजन किया गया। संभाग भर के महाविद्यालय के पांच एकल नृत्य एवं आठ समूह नृत्य की विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, जन भागीदारी अध्यक्ष संध्या थापक, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन, भारतीय ज्ञान परंपरा कार्यक्रम संयोजक डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. रामबाबू मेहर, डॉ. रागिनी सिकरवार ने मंच पर अपनी गरिमामई में उपस्थित प्रदान की। इस अवसर पर रघुवीर सिंह राजपूत ने मंत्रोच्चार किया।

इस अवसर पर संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रेमकांत कटंगकार ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि हम भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रेरणास्पद वर्ष मना रहे हैं। इन प्रतियोगिता के माध्यम से हमारी युवा पीढ़ी पुनः हमारी प्राचीन परंपरा का अध्ययन कर रही है। हमारी मौलिकता को आत्मसात कर रही है। शासन की मंशानुसार महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है, हम अतिथियों से आग्रह करते हैं कि उक्त प्रकोष्ठ का अवलोकन कर मार्गदर्शन करें। महाविद्यालय की छात्राओं को सतत प्रेरित किया जा रहा है कि हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा से अवगत हो, अध्ययन करें और सजग प्रहरी के रूप में जिले का नाम रोशन करें। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने अपने उद्बोधन कहा हम पहले अपने तीज त्योहारों की 15 दिन पहले से तैयारी करते थे।

वर्तमान समय में व्यस्तता बढ़ गई है पर हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें। हमारी परंपराओं को हम उत्सव के रूप में मनाए ताकि आने वाली पीढ़ी हमारे ज्ञान परंपरा को आत्मसात कर सके। शासन द्वारा हमारे अमर शहीद और जननायक की जीवनी को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। हमें स्वतंत्रता ऐसे ही नहीं मिली है ,इस हेतु हमारे शहीदों ने अपनी आहुति दी है। हमें महापुरुषों के जीवनवृत्त को पढ़कर अनुसरण करना चाहिए। जनभागीदारी अध्यक्ष शसंध्या थापक ने विजेता विद्यार्थियों को शुभकामना प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रमाण पत्र एवं सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। एकल नृत्य में प्रथम स्थान पर कुमारी सपना कहार शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय नर्मदापुरम, द्वितीय स्थान पर उदय सिंह चौहान एमजीएम महाविद्यालय इटारसी एवं तृतीय स्थान पर लेदाराम पीएम श्री स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय हरदा के विद्यार्थी रहे। समूह नृत्य में प्रथम स्थान पर एमजीएम महाविद्यालय इटारसी, द्वितीय स्थान पर पीएम श्री जे एच महाविद्यालय बैतूल एवं तृतीय स्थान पर शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय नर्मदा पुरम रहा।

निर्णायक के रूप में रेखा रतनानी, अमृता नवलानी, सरिता पाल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रुति गोखले ने एवं आभार डॉ. हर्षा चचाने किया। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ. पुष्पा दुबे डॉ. भारती दुबे, डॉ. रश्मि आदि समेत महाविद्यालय में स्टाफ एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

आज लटेरी तहसील में बजेगी मोहन सरकार के विकास की बंसी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शनिवार को विदिशा जिले की लटेरी तहसील पहुंचेंगे। सिरोंज लटेरी विधानसभा के विधायक उमाकांत शर्मा के आग्रह पर मुख्यमंत्री बनने के उपरांत पहली बार क्षेत्र में पधार रहे मुख्यमंत्री मोहन यादव का मध्यप्रदेश के हित में विगत एक वर्ष में दूरगामी परिणाममूलक महत्वाकांक्षी बड़ी योजनाओं को धरातल पर साकार करने के साथ जनकल्याण की योजनाओं को साकार रूप प्रदान करने के लिए यहां उनका नागरिक अभिनन्दन

जनकल्याण पर्व के अंतर्गत 4 जनवरी को लटेरी में होगा मुख्यमंत्री मोहन यादव का नागरिक अभिनन्दन

किया जाएगा।

गुरुवार को सिरोंज लटेरी विधानसभा के लटेरी तहसील में आने की खबर से भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह भी नजर आने लगा है। स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा ने देर रात्रि

में सिरोंज मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री के दौरा कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर एक बैठक भी आयोजित की। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य हे कि प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे जनकल्याण पर्व के बीच माननीय मुख्यमंत्री जी ने हमारे क्षेत्र में आने का निर्णय लिया है। हालांकि यह उनका सरकारी दौरा रहेगा किंतु हमारी पार्टी के मुखिया होने के नाते हम सभी कार्यकर्ताओं को उनके इस दौरे को भव्यता प्रदान करना है। चूंकि यह दौरा स्वयं माननीय मुख्यमंत्री जी ने तय किया है ओर उस दिन सिरोंज लटेरी विधानसभा के स्वर्णिम विकास के लिए वह अनेक सौगातें भी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने सभी वार्ड स्तर के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं तथा हितग्राहियों को इस आयोजन में सहभागिता करने के लिए आग्रह भी किया है। इस दौरान उन्होंने पदाधिकारियों को आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं संबंधी जिम्मेदारियां भी सौंपी। उल्लेखनीय है कि स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा सिरोंज को जिला बनवाने, रेल लाइन स्वीकृत करवाने के साथ क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के लिए उद्योग लगवाने हेतु काफी लंबे समय से प्रयासरत है। इसके अलावा वे क्षेत्र की अनेक विकासोन्मुखी योजनाओं की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री से भेंट कर अपने प्रस्ताव प्रस्तुत कर चुके हैं। इन समस्त बिंदुओं को दृष्टिगत रखते हुए अचानक से प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा विदिशा जिले की सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र के प्रथम दौरा कार्यक्रम तय किए जाने से उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है। इस अवसर पर बैठक को पूर्व नपाध्यक्ष पदम ताम्रकार एवं रमेश यादव ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व बैठक के शुभारंभ डॉ श्यामप्रसाद मुखर्जी तथा दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता हरीबाबू भार्गव,डॉ पीके विश्वास, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, मोर्चा प्रकोष्ठों एवं बूथ केंद्र के कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

नाले का निर्माण वार्ड 10 के रहवासियों के लिए बना परेशानी का कारण, दोनों रास्ते बंद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

काम करने से पहले दोनों तरफ के रास्ते तोड़कर बंद कर दिए हैं । अभी भी यहां पर काम नहीं हो रहा है । ठेकेदार की लापरवाही की वजह रहवासियों को आने-जाने के लिए प्रतिदिन परेशानी हो रही है। इसके बाद भी नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारियां अधिकारियों को आम जनता को जरूर परेशानियों दिखाई नहीं दे रही है ।शहर में अधिकांश ठेकेदार अपनी मनमर्जी से गुणवत्ता विहीन कार्यो कर रहे हैं ।इनको कामों को देखने के लिए इंजीनियर जाते ही नहीं है इसी बात का फायदा उठाकर आम जनता को परेशान भी कर रहे हैं।दूसरी ओर छतरी नाके से लेकर कस्टम पथ तक नगर पालिका परिषद के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से नाले का कार्य करवाया जा रहा है ।उक्त ठेकेदार के द्वारा लापरवाही से काम करते हुए वार्ड वासियों के आने जाने वाले रास्तों को खोदकर बंद कर दिया। यहां पर बनी हुई पुलियों को तोड़कर छोड़ दिया गया है। 10 दिन से अधिक का समय बीत चुका है यहां पर ठेकेदार को द्वारा यहां पर कार्य नहीं किया जा केवल छतरी नाके से नाला बनाने का काम जरूर हो रहा है। यदि यही से काम करना था तो इन दो रास्तों तो क्यों तोड़ कर बंद कर दिया है पहले यहां से नाला बनाने का काम पूरा हो जाता तो फिर जब यहां काम आता तो इनको तोड़कर बनाने का काम किया हो जाता तो जल्दी यहां से रास्ता प्रारंभ होता। ठेकेदार की लापरवाही से परेशान हैं रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों को आम जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है तभी तो ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

इनका कहना है

यदि ठेकेदार के द्वारा लापरवाही से कार्य किया जा रहा है तो हम इसको दिखाते हैं।

–**हर्षल चौधरी** एसडीएम

कुरवाई पुलिस की बड़ी कार्यवाही

फर्जी बीमा रैकेट का भंडाफोड़ , गुरुकृपा मोटर्स के संचालक को किया गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए वाहनों के फर्जी बीमा का रैकेट चलकर वाहन चालकों के साथ धोखाधड़ी करने पर गुरु कृपा मोटर्स के संचालक संतोष जैन को गिरफ्तार कर लिया है ।उनके खिलाफ लंबे समय से शिकायत के बाद जांच चल रही थी जांच सही पाए जाने पर एसपी के निर्देश पर मामले दर्ज करके पुलिस ने गिरफ्तारी भी कर लिया है। उक्त कार्रवाई को अंजाम पुलिस ने पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में थाना कुरवाई ने वाहनों का बीमा करने की आड़ में बड़े संगीन फर्जीवाड़े का मामला उजागर हुआ है। बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के संचालक एवं सेवा प्रबंधक सचिन सोनवाने, निवासी इंदौर, ने पुलिस अधीक्षक विदिशा को एक लिखित शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार, उनकी कंपनी की ओर से मोटरसाइकिल टीवीएस रजिस्ट्रेशन नंबर MP 40 MV 8166 के लिए जारी की गई बीमा पॉलिसी को जाली तरीके से तैयार किया गया था।

शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रोहित

बीमा पॉलिसी पर शोरूम की लगाते थे सील, सिरोंज के निवासी है संतोष जैन

काशवानी ने मामले की जांच एसडीओपी कुरवाई मनीष राज को सौंपी। जांच में सामने आया कि सिरोंज स्थित गुरुकृपा मोटर्स के संचालक संतोष कुमार जैन ने मोटरसाइकिल का फर्जी बीमा तैयार कर उसे आरटीओ में भेजा था।

एक्सीडेंट के मामले में फर्जी पॉलिसियों से खुली पोल

एक्सीडेंट की घटना के बाद वाहन चालक ने बीमा क्लेम के लिए कंपनी में क्लैम दर्ज करवाया था उसके बाद इस गड़बड़ झाले की पोल खुली। जांच के दौरान यह भी पता चला कि मोटरसाइकिल नंबर MP 40 MU 4887 के लिए एक और फर्जी बीमा पॉलिसी क्रमांक OG-21-3116-1826-00000761 बनाई गई थी । यह मोटरसाइकिल 08/10/2021 को एक दुर्घटना में शामिल थी,। जिसमें चालक सुरेन्द्र कुमार चौबे की मृत्यु हो गई थी । इस घटना पर थाना कुरवाई में अपराध क्रमांक 432/21, धारा 279, 337,

304ए भादवि के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।

बीमा प्राधिकरण द्वारा बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को उक्त पालिसी क्रमांक OG-21-3116-1826-00000761 एवं OG-21-3116-1826-00000288 पॉलिसी क्रमांक के क्लेम हेतु दर्ज करवाई इसके बाद

फर्जी बीमा पॉलिसी के आधार पर मृतक के परिजनों ने बीमा कंपनी से क्लेम के लिए आवेदन किया । जब बीमा कंपनी ने पॉलिसी की जांच की, तो उन्होंने पाया कि पॉलिसी क्रमांक OG-21-3116-1826-00000761 एवं OG-21-3116-1826-00000288 उनकी कंपनी द्वारा जारी नहीं की गई थी ।

शोरूम की सील लगा कर दे रहे थे पॉलिसी

गुरुकृपा मोटर्स के संचालक संतोष कुमार जैन द्वारा वास्तविक बीमा पॉलिसियों की हूबहू नकल करके फर्जी पॉलिसियां बनाई जाती थीं । इन पॉलिसियों पर गुरुकृपा मोटर्स की सील लगाकर उन्हें वैध दिखाने का प्रयास किया गया इतने शातिर तरीके से उनको बनाते थे ,किसी को फर्जी होने का शक भी नहीं होता तो आसानी से लोगों को असली मान लेते थे। दुर्घटना के बाद वाहन चालक के परिजनों ने बीमा कंपनी में क्लेम में किया तो इनकी पोल खुली तब जाकर इस राज्य से पर्दा उठ पाया। पॉलिसियों का उपयोग मोटरसाइकिल मालिकों द्वारा बीमा क्लेम के लिए किया जाता था ।

जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि आरोपी ने इस फर्जीवाड़े को बड़े स्तर पर अंजाम दिया था।, जिसमें कई वाहनों की जाली बीमा पॉलिसियां तैयार की गई थीं ।

एसपी ने लिया गंभीरता से तो खुली पोल

एसपी के निर्देश पर पुलिस ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए आरोपी संतोष कुमार जैन को गिरफ्तार कर लिया है । आरोपी के कार्यालय से फर्जी बीमा बनाने में उपयोग की जाने वाली सील एवं लेटर हेड भी जब्त कर लिए गए हैं । मामले में आगे के पहलुओं पर पुलिस काम कर रही है इतने बड़े गोलमाल को अकेले तो अंजाम नहीं दिया जा रहा होगा और भी लोग इसमें जुड़े हो सकते हैं क्या उन तक पुलिस पहुंचेगी।

गिरफ्तारी में इनकी रही विशेष भूमिका

एसडीओपी मनीष राज, निरीक्षक राजकुमार यादव , उप निरीक्षक शैलेंद्र नायक, सहायक उप निरीक्षक ओमप्रकाश रघुवंशी , आरक्षक प्रह्लाद लोधी, आरक्षक महेंद्र लोधी , आरक्षक वीरेंद्र धाकड़, सैनिक परमानंद, की रही।

बेखौफ हो रही पेड़ों की कटाई, वन अधिकारी बने अनजान

झलौन वन : हरे-भरे सागौन के जंगल मैदान में तब्दील होने की कगार पर!

विशाल रजक-तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

एक तरफ शासन-प्रशासन द्वारा मानसून के समय एक पेड़ मां के नाम अभियान सहित अन्य अभियान चलाकर अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा था वहीं दूसरी ओर जिले के जंगलों में लगे हरे-भरे पेड़ों पर आरा मशीन और कुल्हाड़ी चल रही। जिससे जंगल सिकुड़ते जा रहे है। गौर करने वाली बात ये है कि इस अवैध कटाई पर जिम्मेदारों का ध्यान नहीं जा रहा है। जिले झलौन वन परिक्षेत्र में बड़ी संख्या में माफिया सक्रिय बताए गए है। जिनकी नजर में सागौन के पेड़ों पर ज्यादा है।

मामला दमोह जिले के झलौन वन परिक्षेत्र का है जहां पर वनों की कटाई थमने का नाम नहीं ले रहीहै। वन अमला वनों की सुरक्षा के लिए सक्रिय नहीं दिखाई दे रहा है। झलौन वन परिक्षेत्र की डुकरसता वीट में एक दर्जन से ज्यादा बेशकीमती सागौन के वृक्षों सहित अन्य प्रजाति के पेड़ों को वन माफिया काट कर ले गए। वहीं अन्य वीट में भी पेड़ों की कटाई जारी है। गौर करने वाली बात ये है कि पेड़ों को काटने के बाद बचने वाले ठूंठ जिम्मेदारों को नजर नहीं आ रहे हैं जहां एक और वनों की सुरक्षा व देखभाल के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं प्लांटेशनों का निर्माण कार्य करा रहे हैं जिसमें बारिश के समय पौधों को लगाया जा सके और उनके संरक्षण के लिए वनरक्षक व चौकीदारों को भी रखा जा रहा है।

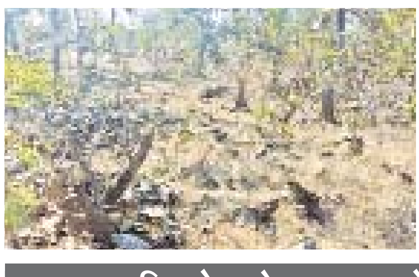

बिना हेमर के नजर आ रहे ठूंठ

अगर झलौन वन परिक्षेत्र के डुकरासता बीट की जांच की जाए तो दर्जनों ठूंठ इस बीट के जंगल में पाएं जाएगे लेकिन अधिकारियों द्वारा कभी इन बीटों की जांच नहीं की जाती है जिसके कारण कटाई होने की जानकारी पता नहीं चल पाती है इस बीट के अंदर हजारों ठूंठ बिना हेमर के नजर आ जाएंगे जिन्हें जांच में गिना ही नहीं गया और इस बीट की जांच ही नहीं हुई है ना ही कटाई के बाद वनरक्षक और डिप्टी रेंजर द्वारा पीआरओ काटा गया है जिससे कटाई के बाद बचे ठूंठ को गिनती में गिना जा सकें जिससे प्रतीत होता है कि अगर इस बीट की जांच की जाएं तो हजारों पेड़ के ठूंठ और अवशेष जंगल के अंदर मिल जाएंगे वहीं डुकरासता सहित अन्य बीटों की भी जांच की जाए तो चौंकाने वाले मामले सामने आ सकते हैं ।जहां पर कटाई के सबूत जंगल में पेड़ों के ठूंठ है इन बीटों में कटाई के बाद ठूंठ में व अवशेष पड़े दिखाई देते हैं ।

वनों के संरक्षण हेतु कई योजनाओं को चलाया जा रहा है लेकिन वन परिक्षेत्र के जंगलों में वन माफिया बेधड़क होकर जंगलों को सफाया कर रहे हैं और खेल मैदान में तब्दील करने का प्रयास करने में जुटे हुए है।

झलौन वन परिक्षेत्र का मामला

मामला दमोह जिले के झलौन वन परिक्षेत्र की डुकसता बीट का जहां पर जंगल से मोहड़ जाने वाले रास्ते में सड़क किनारे कुछ दूर कई स्थानों पर पेड़ों के कटे हुए अवशेष और ठूंठ मिले हैं जो आज और कल दो दिन में इन पेड़ों की कटाई होने की गवाही दे रहे हैं इस कटाई की जानकारी वन अमले को नहीं है डुकरसता बीट में वन माफियाओं द्वारा बड़ी संख्या में सागौन के पेड़ों को काटा गया है जहां कटाई के ठूंठ इस कटाई की दास्तान बया कर रहे डुकरसता बीट में माफिया द्वारा बड़ी संख्या में हरे भरे पेड़ों को काट कर जंगल में सफाया करने में तुले हुए हैं।जहां वन परिक्षेत्र में विभाग का अमला वनों की सुरक्षा के प्रति गंभीर नहीं है।

कागजों में केवल अपने गश्त एवं उपस्थिति दर्शाई जाती है कि उनके द्वारा लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर अवैध कटाई को रोका जा रहा है, लेकिन न तो अवैध कटाई रोकने का नाम ले रही है और न ही अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है जिस कारण झलौन वन परिक्षेत्र में लगातार ही कटाई के मामले सामने आते रहते हैं और अधिकारी जानकर अनजान बनकर बैठ जाते हैं झलौन वन परिक्षेत्र में चारों तरफ घना जंगल होने के कारण माफियाओं द्वारा लकड़ी काटकर आसानी से उपयोग कर ली जाती है जबकि झलौन वन परिक्षेत्र ही हर बीटों में वन चौकी बनी हुई है लेकिन उनमें कोई भी वनकर्मी वहां मौजूद नहीं रहता।वन अधिकारी रात्रि गश्त का दावा तो करते हैं तो फिर वृक्षों को काटने वाले क्यों इनकी पकड़ से दूर रह जाते हैं अगर झलौन रेंज की डुकरसता वीट का निरीक्षण किया जाए तो यहां सैकड़ों पेड़ों के ठूंठ मौके पर मिल जाएंगे यहां सबसे अधिक सागौन के पड़ों को काटा गया है। आवास में दरबाजों व खिड़कियों एवं अन्य निर्माण कार्य के लिए जंगलों से लगे हुए गांव के लोगों द्वारा अपने घर के लिए सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई की जा रही है जहां गांव के लोग सागौन के पेड़ों को काटकर व छातकर पेड़ का एक बड़ा हिस्सा साथ ले जाते है

वन चौकी नहीं आते वनरक्षक

झलौन वन परिक्षेत्र की डुकसता बीट ममें पदस्थ वनरक्षक बृजेश राठौर कभी कभार ही झलौन वन परिक्षेत्र कार्यालय और अपनी बीट आते हैं जिसके कारण माफियाओं द्वारा वन की निगरानी और देखरेख नहीं होना का फायदा उठाकर लगातार सागौन के पेड़ों की कटाई करने में तुले हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ पर्यावरण प्रेमियों का कहना है झलौन वन परिक्षेत्र के जंगलों में हो रही सागौन और अन्य पेड़ों की कटाई की मुख्य वजह यहां पर पदस्थ अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं देना है जिसके कारण झलौन के जंगलों में दिनदहाड़े माफियाओं द्वारा पेड़ों को काटा जा रहा है झलौन वन परिक्षेत्र में बीते दो सालों से हरे भरे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है यहां पर रहने वाले वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा कभी भी इन बीटों का निरीक्षण ना ही भ्रमण किया जाता है और ना ही वनरक्षक और चौकीदारों द्वारा जंगलों में होने वाली कटाई की जानकारी और सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाती है वहीं तेन्दूखेड़ा उप वन मंडल अधिकारी भी इन बीटों और चौकियों का निरीक्षण नहीं करते हैं जिसका सीधा फायदा वन माफिया उठाकर पेड़ों की कटाई करते हैं

इनका कहना है

मैं दिखवाता हूं कहां पर जंगलों की कटाई हो रही है अगर कटाई होती है तो वनरक्षक पर वासूली व कार्रवाई की जाएगी।

–**सतीश मसीहा**, परिक्षेत्र अधिकारी, झलौन वन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का देवपुर में वर्ग, 11 खंडों के स्वयंसेवक हुए शमिल

सिरोंज। शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देवपुर खंड के द्वारा ग्राम देवपुर में राजपूत समाज के मंदिर परिसर में वर्ग का आयोजन हुआ ।जिसमें देवपुर खंड के 17 मंडलों में से 11 मंडलों के स्वयंसेवक ने सहभागिता करते हुए वर्ग शिविर में शारीरिक कार्यक्रम में दंड योग आसान सूर्य नमस्कार समता संचालन अभ्यास दंड के प्रयोग खेल एवं बौद्धिक के कार्यक्रम हुए, वर्ग में आए हुए स्वयंसेवकों का भोजन हिंदू समाज के ग्रामीण परिवारों से प्राप्त हुआ प्रारंभिक वर्ग के समापन कार्यक्रम में बासौदा जिला के जिला प्रचारक राकेश परमार का बौद्धिक हुआ जिसमें उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहां कि सत्ययुग में ज्ञान शक्ति, त्रेता में मंत्र शक्ति, और द्वापर में युद्ध शक्ति का बल था, । लेकिन कलियुग में संगठन की शक्ति ही प्रधान है ।इसलिए हमको संगठित रहना है और हिंदू समाज को संगठित करना है। इस दौरान बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद थे।

जीनियस क्लब ने जीसीए एकेडमी नर्मदापुरम को आठ रनों से हराया

आज के मैच

1. कैडबरी बनाम लक्ष्य
2. यंग ब्राइट बनाम जीसीए

इटारसी। इटारसी क्रिकेट संघ के तत्वाधान में एकलव्य इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित अंडर 15 लेदर बॉल लीग क्रिकेट टूर्नामेंट एकलव्य स्कूल मैदान पर खेला जा रहा है। आज आज जीसीए नर्मदापुरम और जीनियस क्रिकेट अकादमी के बीच मैच खेला गया। जिसमें जीनियस क्लब ने जीसीए एकेडमी नर्मदापुरम को आठ रनों से हराया। जीनियस अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 25 ओवर में 9 विकेट पर 125 रन का स्कोर बनाया। इशांत मेहरा, विट्ठल खंडेलवाल, कार्तिक सिंह ने क्रमशः 33, 26, 23 रन बनाए। डीसीए की तरफ से मयंक ने 2 विकेट लिए। जवाब में डीसीए ने पूरे 25 ओवर खेल कर 8 विकेट पर 117 रन बनाए। इस तरह जीनियस क्रिकेट अकादमी आठ रनों से विजयी रही। डीसीए की ओर से प्रज्ञान थपकने सर्वाधिक 32 रन बनाए। जीनियस एकेडमी की ओर से शिवम गौल ने तीन विकेट और आयुष नामदेव ने दो विकेट प्राप्त किया। मैन ऑफ द मैच का खिताब शिवम गौर को दिया गया। शुक्रवार के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला थे। जिन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें आशीर्वाद दिया।

कप्तान और कोच का सिडनी 'टेस्ट'

जीत-हार से ज्यादा रिटायरमेंट के चर्चे

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण टीम इंडिया आलोचकों के निशाने पर है।पर्थ में पहले टेस्ट की जीत के बाद एडिलेड और मेलबर्न में मिली करारी शिकस्त के बाद हार से लगातार सवाल उठ रहे हैं।अब दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच शुक्रवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू हो गया। कप्तान रोहित शर्मा के बिना मैदान में उतरी टीम इंडिया मैच के पहले दिन ही 185 रनों पर ढेर हो गयी है।भले ही टीम इंडिया टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए इतने कम स्कोर पर आ आउट हो गई है, लेकिन टीम के चाहने वालों के नजरिये से कप्तान बुमराह की अगुवाई में पर्थ की जीत में भी पहली पारी की शुरुआत ऐसी ही रही थी।गौरतलब है कि पहले टेस्ट मैच की बड़ी जीत में भी टीम इंडिया ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में मात्र 150 रनों का ही स्कोर बनाया था।मतलब सिडनी के मैदान पर अगर टीम इंडिया को इतिहास रचना है तो फिर पर्थ की तरह उसके बल्लेबाजों को दूसरी पारी में अपने बल्ले की ताकत दिखानी पड़ेगी,साथ ही गेंदबाजों को भी ऑस्ट्रेलिया के पुछल्ले बल्लेबाजों को काबू में रखना होगा।भले ही 5 टेस्ट मैचों की मौजूदा सीरीज में टीम इंडिया 1-2 से पिछड़ चुकी है,लेकिन सिडनी में बुमराह कंपनी से चमत्कार की आस की जा सकती है। टीम इंडिया ने अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में आखिरी टेस्ट मैच ड्रा या नहीं जीता तो वह सीरीज के साथ बीजी ट्रॉफी भी गंवा देगा। मेरे नजरिये में यह मैच नॉन प्लेइंग(रोहित)और मैदानी कप्तान(बुमराह) ही नहीं बल्कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के लिए भी बेहद अहम टेस्ट कहा जा सकता है।भले ही कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन इस सीरीज में शर्मनाक रहा है,लेकिन सच तो यह है कि वह 2024 के पूरे साल में ही 25 से भी कम की औसत से टेस्ट में रन बना पाए हैं।ऐसा माना जा रहा था कि रोहित सिडनी में अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेल सकते हैं,लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने टीम की एकादश में से खुद को निकाल लिया है। खबर यही है कि कप्तान ने अपने इस फैसले से हेड कोच और प्रमुख चयनकर्ता को मैच के पहले अवगत भी करा दिया था,जिस पर दोनों ने सहमति दे दी थी।अगर वाकई में कप्तान रोहित शर्मा ने ही यह फैसला ले लिया है तो फिर मतलब मेलबोर्न टेस्ट ही हिटमेन का आखिरी टेस्ट भी हो सकता है।वैसे टीम के हित लिया गया उनका यह निर्णय भारतीय क्रिकेट के अंदरखाने की उठापटक पर सवालिया निशान लगाने वाला भी हो सकता है।दरअसल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अश्विन की यकायक

टेस्ट क्रिकेट से विदाई,हेड कोच की पुजारा को टीम का हिस्सा बनाने की मांग को ठुकराने की वजह से प्रमुख चयनकर्ता अजित आगरकर का किरदार भी सवालों के घेरे में पहले से आया हुआ है।मतलब एकदम साफ है कि भारतीय टीम के चयनकर्ताओं,हेड कोच ओर कप्तान के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।वैसे भी विदेशी दौरे पर टीम की मजबूती का आधार खिलाड़ी,हेड कोच और चयनकर्ता ही होते हैं।वही जब टीम इंडिया की यह तीनों मुख्य कड़ियाँ ही बिखरी हुई हैं तो फिर टीम का प्रदर्शन तो निश्चिततौर पर ऐसा ही नजर ही आयेगा।शायद यही वजह है जिसके कारण ड्रेसिंग रूम में अंदर के माहौल को लेकर भी तरह तरह के खबरें लगातार निकल कर आ रही है।सच्चाई जो भी हो,लेकिन ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों के बिखराव व मैदान के अंदर उनकी बॉडी लैंग्वेज भी सब कुछ ठीक होने की ओर तो इशारा कतई नहीं कर रहीं हैं।यशस्वी जयसवाल जैसे बेहद चुस्त और फुर्तीले फील्डर द्वारा साधारण मौकों को गँवाना खिलाड़ियों की तनावपूर्ण मानसिकता का सबसे बड़ा उदाहरण समझा जा सकता है।खैर जो भी हो लेकिन रोहित शर्मा की एकादश में गैरमौजूदगी के बाद अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि बुमराह की कप्तानी में दौरे का विजयी आगाज करने वाली गंभीर सेना ऑस्ट्रेलिया दौरे का समापन किस अंदाज में करती है।वहीं अगर हम टीम के कप्तान व खिलाड़ियों से हटकर हेड कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल पर नजर डालें तो फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से मिली हार के बाद उनकी भूमिका पर भी सवाल उठना शुरू हो गये है।हाल फिलहाल में गंभीर सेना को सिर्फ सिडनी का ही एकमात्र टेस्ट मैच खेलना है,इसके बाद घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के साथ टी20 और वनडे सीरीज और फिरआईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी है।अगर सिडनी टेस्ट मैच में टीम इंडिया के प्रदर्शन में सुधार नहीं हुआ तो क्या हेड कोच गंभीर भी कप्तान की तरह कोई कड़क फैसला लेंगे।वैसे भी गौतम गंभीर पहले से ही कुछ कठिन सवालों के घेरे में हैं और अगर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी गंवा दी गई तो गौतम गंभीर के लिए कप्तान की तरह चीजें आसान नहीं रहने वाली हैं।यही वजह है कि सिडनी में होने वाला सीरीज का निर्णायक मैच टीम इंडिया के कप्तान और हेड कोच के लिए भी कई मायनों मेंअसल 'टेस्ट' साबित होने वाला है।

बीट्राइस चेबेट 13:54 मिनट में 5000 मी. दौड़ने वाली पहली महिला

बार्सिलोना. एजेंसी

दो बार की ओलंपिक चैंपियन केन्या की बीट्राइस चेबेट ने एक और विश्व रेकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। चेबेट ने स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित कर्सा डेल्स नैसोस रोड रेस का खिताब जीता। उन्होंने 5000 मीटर की दूरी 13 मिनट 54 सेकंड में पूरी की। चेबेट 14 मिनट के अंदर 5000 मी रेस पूरी करने वाली पहली महिला एथलीट बन गई हैं। उन्होंने 19 सेकंड के अंतर से अपना ही एक साल पहले बनाया गया रेकॉर्ड तोड़ा। चेबेट ने गत वर्ष पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 5000 व 10000 मीटर रेस में स्वर्ण पदक जीता था। खिताब जीतने के बाद चेबेट ने कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ। मुझे लगा कि मैं 14 मिनट से कम समय में दौड़ सकती हूं और मैं ऐसा करने में सफल रही। बार्सिलोना में दो दौड़ और दो विश्व रेकॉर्ड, क्या मैं इससे अधिक की उम्मीद कर सकती हूं? उन्होंने कहा, मेरा ध्यान अगले वर्ष टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर है।

सेकंड के अंतर से तोड़ा अपना रेकॉर्ड

दिखाई गजब की तेजी चेबेट ने इस रेस में पुरुष प्रतियोगियों को भी कड़ी टक्कर दी। उन्होंने रेस में कई बार पुरुष प्रतियोगियों को पीछे छोड़ा। लेकिन अंत में चेबेट पुरुष वर्ग में विजेता बने केन्या के ही मैथ्यू किपकोच से 26 सेकंड पीछे रह गईं।

दादी से प्रेरित होकर दौड़ना शुरू किया था

केन्याई स्टार रेसर ने अपनी दादी से प्रेरित होकर दौड़ना शुरू किया था और महज तीन साल में उन्होंने कई बड़ी उपलिब्धयां अपने नाम कर लीं। दो ओलंपिक स्वर्ण पदक के अलावा उन्होंने एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में 2022 में रजत और 2023 में कांस्य पदक जीता था। अब उनका लक्ष्य इस साल टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है।

नोवाक की मोंफिल्स पर लगातार 20वीं जीत, मोंफिल्स पर अजेय बढ़त

ब्रिस्बेन. एजेंसी

सर्बिया के स्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने जीत का सिलसिला कायम रखते हुए ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस के क्वार्टफाइनल में जगह बनाई। टॉप सीड जोकोविच ने पुरुष एकल के प्री-क्वार्टरफाइनल में फ्रांस के गैरवरीय गाएल मोंफिल्स को 6-3, 6-3 से मात दी। जोकोविच ने मोंफिल्स के खिलाफ लगातार 20वां मैच जीता। मोंफिल्स छठे खिलाड़ी हैं, जिनके खिलाफ नोवाक ने 20 या उससे ज्यादा मैच जीते हैं। अब जोकोविच की नजरें करियर का 100वां एकल खिताब जीतने पर है।

पहली बार ओपेल्का से होगी भिड़ंत: 37 वर्षीय जोकोविच का सामना अब अमरीका के गैरवरीय खिलाड़ी रिली ओपेल्का से होगी, जिन्होंने अंतिम-16 मुकाबले में इटली के माटेओ अर्नाडी को 7-6, 7-6 से हराया। जोकोविच और ओपेल्का के बीच यह पहली भिड़ंत होगी।

महिला एकल: सबालेंका की आसान जीत

ब्रिस्बेन. एजेंसी

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के महिला एकल में बेलारूस की टॉप सीड आर्यना सबालेंका ने दमदार प्रदर्शन के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। उन्होंने गुरुवार को 15वीं वरीय कजाकिस्तान की यूलिया पुतिंसेवा को 7-6, 6-4 से हराया। भारतीय खिलाड़ी रित्विक चौधरी और नीदरलैंड्स के रोबिन हास की जोड़ी पुरुष युगल के प्री-क्वार्टरफाइनल में हार कर बाहर हो गई। भारतीय-डच जोड़ीको ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी रिन्के हिजिकाता और जेसन कुवलेर की जोड़ी ने 6-4, 6-2 से शिकस्त दी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

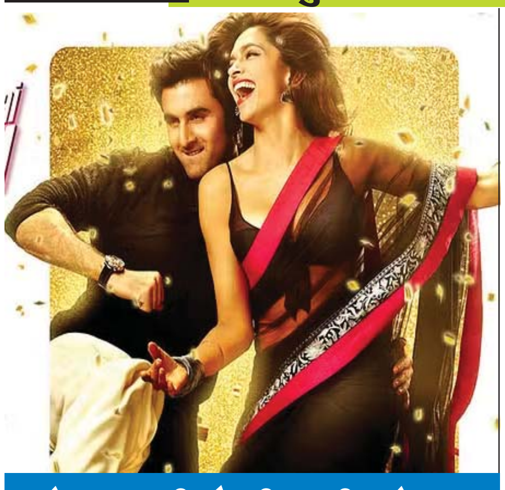

ये जवानी है दीवानी' ने 11 साल बाद फिर मचाई धूम

'ये जवानी है दीवानी' ने 11 साल बाद री-रिलीज पर एक बार फिर से धमाल मचा दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले दिन बुक माय शो पर फिल्म के 75,000 टिकट बिके। रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म ये जवानी है दीवानी को बॉलीवुड की सबसे शानदार फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। आज भी यह दर्शकों के बीच उतनी ही लोकप्रिय है जितनी कि रिलीज के समय थी। आयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2013 में जब यह रिलीज हुई थी तो बॉक्स ऑफिस पर यह एक बड़े हिट के रूप में सामने आई थी। फिल्म ने भारत में 188.57 रुपये का नेट कलेक्शन किया था, जो उस समय के हिसाब से यह एक बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। अब 11 साल बाद ये जवानी है दीवानी ने एक बार फिर से बड़े पर्दे पर वापसी की है। री-रिलीज के बाद इस फिल्म ने दोबारा बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर एक बार फिर से शानदार शुरुआत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बुक माय शो पर फिल्म के लगभग 75,000 टिकट्स बिके। इसके अलावा शुरुआती अनुमान के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन करीब एक करोड़ 25 लाख रुपये का नेट कलेक्शन किया। यह आंकड़ा इस बात का संकेत है कि फिल्म की लोकप्रियता आज भी वैसी ही बनी हुई है। इसका खास असर दर्शकों पर 11 वर्षों के बाद भी देखने को मिल रहा है। अगर हम वीकएंड की बात करें तो फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग भी मजबूत दिखाई दे रही है। उम्मीद की जा रही है कि 'ये जवानी है दीवानी' पहले सप्ताहांत के दौरान करीब छह करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर सकती है। किसी भी री-रिलीज फिल्म के लिए यह एक शानदार आंकड़ा है। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के तहत बनी 'ये जवानी है दीवानी' में रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण के अलावा आदित्य रॉय कपूर, कल्की केकलां, और कुणाल रॉय कपूर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म का संगीत प्रीतम ने दिया था।

रामू बोले- मुझे मां पसंद थी, बेटी नहीं

श्रीदेवी के प्रति निर्देशक राम गोपाल वर्मा की दीवानगी किसी से छिपी नहीं है। एक वक्त ऐसा था, जब वह श्रीदेवी की एक झलक पाने के लिए तरसते थे। वह अभिनेत्री के साथ फिल्म भी करना चाहते थे। इस बात का जिक्र खुद एक साक्षात्कार में राम गोपाल वर्मा कर चुके हैं। अब एक बार फिर हालिया साक्षात्कार में निर्देशक ने श्रीदेवी और उनकी बेटी जान्हवी कपूर के बारे में टिप्पणी करके सुर्खियों में आ गए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा? राम गोपाल वर्मा ने अपने हालिया साक्षात्कार में एक बार फिर श्रीदेवी के बारे में बात की, लेकिन इस बार उन्होंने उनकी बेटी, अभिनेत्री जान्हवी कपूर के बारे में भी अपने विचार साझा किए। राम गोपाल वर्मा ने कहा, ﬖमुझे अभी भी जान्हवी में श्रीदेवी नहीं दिखती है।ﬖ हालांकि, इससे पहले साउथ अभिनेता और जान्हवी के 'देवरा' को-स्टार जूनियर एनटीआर ने कहा था कि फिल्म के लिए एक फोटोशूट के दौरान, एक पल ऐसा आया जब जान्हवी अपनी मां की तरह हूबहू लगीं। हालांकि, राम गोपाल ने श्रीदेवी और जान्हवी कपूर की तुलना को नकार दिया। उन्होंने श्रीदेवी की तारीफ की और कहा, चाहे 'पड़ाहरेल्ला वयासु' हो या 'वसंत कोकिला', उन्होंने कई तरह के प्रदर्शन किए। वास्तव में, उन्हें अभिनय करते हुए देखकर मैं भूल गया कि मैं एक फिल्म निर्माता हूं और उन्हें एक दर्शक के रूप में देखने लगा। जान्हवी कपूर के साथ फिल्म करने के बारे में पूछे जाने पर राम गोपाल वर्मा ने अपना रुख साफ करते हुए कहा, मुझे मां पसंद थी, बेटी नहीं। उन्होंने आगे कहा, ईमानदारी से, मेरे पूरे करियर में, ऐसे कई अभिनेता और बड़े सितारे रहे हैं जिनके साथ मेरा कोई संबंध नहीं रहा। तो हां, मेरा जान्हवी के साथ कोई फिल्म करने का कोई इरादा नहीं है।

1200 करोड़ी क्लब के करीब पहुंची 'पुष्पा 2', 'मुफासा' की भी छप्परफाड़ कमाई जारी

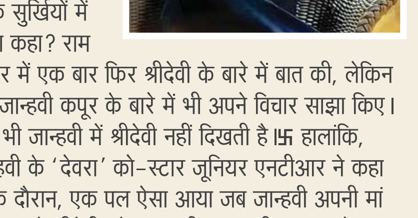

'पुष्पा 2' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 1200 करोड़ रुपये के क्लब के करीब पहुंच गई है। वहीं, 'मुफासा' भी लगातार अच्छी कमाई कर रही है। आइए जानते हैं कि टिकट खिड़की पर किस फिल्म ने कितना कलेक्शन किया। बीते साल के बाद अब नए साल पर भी पुष्पा 2 और मुफासा द लायन किंग का जलवा बॉक्स ऑफिस पर देखने को मिल रहा है। इन दोनों ही फिल्मों ने टिकट खिड़की पर अब तक छप्परफाड़ कमाई की है। वहीं, वरुण धवन की बेबी जॉन बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा सकी। आइए जानते हैं कि शुक्रवार को किस फिल्म का टिकट खिड़की पर प्रदर्शन कैसा रहा? वरुण धवन की बेबी जॉन उनके करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म साबित हुई है। ओरिजनल फिल्म थेरी के हिंदी डब के इंटरनेट पर मौजूदगी इस फिल्म के न चलने का एक कारण हो सकती है। इस फिल्म से निर्देशक कलीस ने बॉलीवुड में कदम रखा था, लेकिन पहली ही फिल्म में उनके हाथ असफलता लगी है।

वरुण की सुपर फ्लॉप फिल्मों से भी पीछे बेबी जॉन: फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो 180-185 करोड़ के आस-पास बनी यह फिल्म टिकट खिड़की पर पहले दिन से ही निराशाजनक प्रदर्शन कर रही है। पहले हफ्ते में यह फिल्म महज 36.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर सकी। वहीं, दूसरे हफ्ते की शुरुआत में इस फिल्म का और भी बुरा हाल दिख रहा है। 10वें दिन फिल्म ने 45 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 36.85 करोड़ रुपये हो चुकी है। यह फिल्म वरुण की सुपर फ्लॉप फिल्मों कलंक और स्ट्रीट डांसर थ्रीडी से भी पीछे चल रही है। दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर क्रमशः 80.35 करोड़ और 68.28 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

मेट्रो बाजार

आउटलुक 2025: ब्याज दरों में 0.75 फीसदी कटौती के आसार

मुंबई, एजेंसी

वर्ष 2024 में भारतीय शेयर बाजार को लोकसभा चुनाव, अमरीका में ट्रंप की जीत, इजरायल-ईरान के बीच बढ़ा टेंशन और चीन के राहत पैकेज से विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली ने प्रभावित किया। इसी माह डॉनल्ड ट्रंप अमरीका की बागडोर संभालेंगे, जिसका बड़ा असर शेयर बाजार, गोल्ड से लेकर इकॉनमी के हर पहलू पर दिखेगा, जिसकी शुरुआत हो चुकी है। अपनी इकॉनमी की रफ्तार बढ़ाने की चीन की कोशिशों और विश्व में सबसे तेजी से बढ़ रहे भारत के वर्ष 2025-26 के आम बजट पर भी बाजार की नजर रहेगी। इन सबके बीच तमाम देश व्यापार के मामले में वैश्वीकरण को पलीता लगाने में जुटे हुए हैं, इसका प्रभाव भी नए साल में देखने को मिलेगा।

2025 में शेयर बाजार पर सबसे बड़ा असर अमरीका में डॉनल्ड ट्रंप की ताजपोशी से दिखेगा। ट्रंप ने चीन और भारत सहित कई देशों पर बड़ा इंपोर्ट टैरिफ लगाने और अपने देश में टैक्स घटाने की बातें की हैं। इससे डॉलर मजबूत हो सकता है और महंगाई भी बढ़ सकती है, जिससे फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें बढ़ानी भी पड़ सकती है। ऐसा होता है तो इमर्जिंग मार्केट्स का आकर्षण घट सकता है और भारत में नियर टर्म में विदेशी निवेशकों की बिकवाली बढ़ सकती है। आरबीआइ फरवरी में रेट कट कर सकता है। क्रिसिल के चीफ इकनॉमिस्ट डीके जोशी व केयरएज की चीफ इकनॉमिस्ट रजनी सिन्हा ने 2025 में कुल 75 बेसिस पॉइंट्स तक रेपो रेट में कटौती का अनुमान जताया है। इससे बाजार चढ़ सकता है। इस साल कच्चे तेल की कीमतें, भू-राजनीतिक स्थिति, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल, पश्चिमी देशों की चीन प्लस वन स्ट्रैटजी भारतीय शेयर बाजार को दिशा देंगी।

ट्रंप की नीतियां: ट्रंप 20 जनवरी को अमरीकी राष्ट्रपति पद का शपथ लेंगे। निवेशकों की नजर इमिग्रेशन, क्लाइमेट, चीन के साथ ट्रेड आदि पर ट्रंप की नीतियों पर होगी। अमरीकी पॉलिसी में बदलाव होता है तो इसका बाजार पर व्यापक असर पड़ेगा।

2025-26 का आम बजट: केंद्र सरकार 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश करेगी। सरकार अगर कैपेक्स में वृद्धि जारी रखती है तो इससे डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और रेलवे सेक्टर को बड़ा लाभ होगा।

विदेशी निवेशक: अधिक वैल्यूएशन, भू-राजनीतिक संकट, चीन के आकर्षक बाजार और अमरीकी बाजारों में आई तेजी से 2024 में विदेशी निवेशकों ने बाजार से 2.91 लाख करोड़ रुपए निकाले।

फिस्कल डेफिसिट : खर्च और रेवेन्यू दोनों धीमी राजकोषीय घाटा बढ़कर 52.5 फीसदी पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत का राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2024-25 के पहले आठ महीनों यानी अप्रेल से नवंबर के बीच 8.47 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। यह पूरे साल के अनुमान का 52.5 फीसदी है। इस साल अब तक सरकार का खर्च व रेवेन्यू कलेक्शन दोनों की ही रफ्तार धीमी रही है। सरकार ने 14.43 लाख करोड़ का टैक्स कलेक्शन किया, जो लक्ष्य का 56त्न है। 2023 की समान अवधि में यह 14.36 लाख करोड़ था। कुल सरकारी खर्च 27.41 लाख करोड़ रहा, जो लक्ष्य का 57 फीसदी है। पिछले साल यह 26.52 लाख करोड़ था।

इधर, बंद हो गए इनएक्टिव सहित 3 तरह के बैंक अकाउंट

आरबीआइ नए साल में बैंकिंग से जुड़े कई नियमों को बदल रहा है। आरबीआइ के निर्देशानुसार, साल के पहले दिन से ही तीन तरह के खाते बंद हो गए। यह फैसला धोखाधड़ी व साइबर फ्रॉड रोकने, डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने व पारदर्शिता बढ़ाने में मदद करेगा। जिन खातों में ज्यादा समय से कोई ट्रांजैक्शन नहीं हुआ है, उन्हें इनएक्टिव कैटेगरी में डालकर बंद किया जाएगा। जिन खातों में लंबे समय से शून्य बैलेंस हैं उन्हें भी बंद किया है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की हुई मौत

भोपाल। बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित में कार की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक पर प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। घायल की मौत के बाद आरोपी पर धाराएं बढ़ाई जा रही हैं। जानकारी के अनुसार रतन उर्फ विराज मीना (29) बैरागढ़ कला में रहता है और ड्रायवरी करता है। बीती 22 दिसंबर की रात वह अपने दोस्त दीपक अहिरवार (28) के साथ लालघाटी से अपने घर लौट रहा था। बाइक दीपक चला रहा था। रात करीब आठ बजे दोनों आकाश गार्डन चौराहा पहुंचे। दीपक ने बैरागढ़ कला की तरफ जाने लिए बाइक मोड़ी, तभी सीहोर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चला रहा दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि पीछे बैठा रतन उछलकर दूर जा गिरा। दीपक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां गुरुवार की रात उसने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरी मंजिल से गिरकर 16 महीने की बच्ची की मौत

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित पुरूषोत्तम नगर सेमरा में शुक्रवार शाम दूसरी मंजिल पर खेल रही बच्ची छत से नीचे गिर गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। पुलिस के अनुसार नारायण साहू पुरूषोत्तम नगर सेमरा में रहते हैं। वे सनमाइका का होलसेल का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका खुद को दो मंजिला मकान है। शुक्रवार शाम करीब 6 बजे उनकी 16 महीने की बेटी काव्या छत पर खेल रही थी। खेलते खेलते वह रेलिंग पर तक पहुंच गई और रेलिंग से लटकने लगी। मां की नजर पड़ी तो उन्होंने रेलिंग की तरफ दौड़ लगा दी, लेकिन तब तक काव्या नीचे गिर गई थी। सीमेंट वाली सड़क पर गिरने से उसे सिर में गंभीर चोट आई थी। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद काव्या को मृत घोषित कर दिया।

पति और बच्चों को खत्म करने की धमकी देकर महिला से दुष्कर्म

भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र में एक बदमाश ने महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर पति और बच्चों को मारने की धमकी दी। उसने जब दोबारा से महिला पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया तो महिला डर के कारण परिवार के साथ मायके चली गई। मायके पक्ष की समझाइश पर करीब डेढ़ महीने बाद पीड़िता ने शाहपुरा पुलिस को शिकायत की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 27 वर्षीय महिला दुकान चलाती है। इस दुकान पर अमन करोसिया नामक युवक का आना-जाना था। वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। दुकान पर आने के कारण महिला की उससे बात हो जाती थी। इस दौरान महिला पर शादी के लिए दबाव बनाने लगा। महिला ने बताया कि वह शादीशुदा है, बावजूद इसके वह शादी करने के लिए अड़ा रहा। बीती 15 अक्टूबर को अमन उसे जबरन अपने साथ घर ले गया और दुष्कर्म किया। उसके बाद किसी को बताने पर उसने पति और बच्चों को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने पति को दी तो पति ने उसे दुकान पर नहीं आने की समझाइश दी। इस पर वह उसे धमकाने लगा। परेशान होकर महिला परिवार को लेकर अपने मायके सीहोर चली गई।

वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद अन्य आरोपियों की तलाश जारी

कोकता से चोरी 20 लाख का ट्रक बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया पुलिस ने कोकता ट्रांसपोर्ट नगर से ट्रक चुराने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से ट्रक बरामद किया है। जब्त ट्रक की कीमत 20 लाख रुपए है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई पल्सर बाइक भी जब्त की है।

घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार गांधी नगर निवासी मोहम्मद इरशाद ने गत महीने 19 दिसंबर को ट्रक चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इरशाद ने पुलिस को बताया कि उनके ड्रायवर नईम खान ने 14 दिसंबर को ट्रक कोकता ट्रांसपोर्ट नगर स्थित पानी की टंकी, सीमेंट गोदाम के पास खड़ा किया था।

दो दिन बाद वह ट्रक के पास पहुंचा तो ट्रक चोरी हो चुका था। आसपास तलाश करने पर ट्रक नहीं मिला तो इरशाद ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी देहात प्रमोद कुमार सिन्हा ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 5 हजार का इनाम घोषित किया था।

चोरी के ट्रक में कर रहे थे सागौन की तस्करी

जांच के दौरान पता चला कि ट्रांसपोर्ट नगर से चोरी किया गया ट्रक देवास के खातेगांव स्थित उमेड़ा के जंगल में इमारीत सागौन की लकड़ी का परिवहन करते हुए वन विभाग द्वारा पकड़ा गया। आरोपी ट्रक को लावारिस हालत में छोड़कर भाग निकले थे। वन विभाग का अमला भी ट्रक वालों की तलाश कर रहा था।

विशेष टीम ने आरोपियों को पकड़ा एसपी के निर्देश पर टीआई उमेश सिंह चौहान के नेतृत्व में एएसआई हरिशंकर तिवारी, हेड कांस्टेबल योगेश भावसार, अरुण मेहर, आरक्षक रामवीर, विनय प्रताप सिंह तथा सायबर शाखा देहात के हेड कांस्टेबल मुश्ताक अहमद और योगेश मिश्रा की टीम को लगाया गया था। तकनीकी विश्लेषण के बाद टीम ने संदेही गुफरान (20) और अमीन (20) दोनों निवासी ग्राम नादनी, थाना काला पीपल जिला शाजापुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने ट्रक चोरी करना स्वीकार कर लिया।

इसके साथ ही आरोपियों ने वारदात में शामिल अपने कुछ अन्य साथियों के नाम भी बताए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। उनके पास से वारदात में उपयोग की गई एक पल्सर बाइक भी जब्त हुई है।

रिटायर्ड आईएएस की जमीन बेचकर लाखों की ठगी, प्रापर्टी ब्रोकर ने लगाया चूना

भोपाल। बागसेवनिया पुलिस ने रिटायर्ड आईएएस की शिकायत पर महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है। आरोपियों ने रिटायर्ड आईएएस की आधा एकड़ जमीन हड़प ली। हड़पी गई जमीन की कीमत 75 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोप है कि आरोपियों ने 15 लाख रुपए देकर जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर पत्नी के नाम रजिस्ट्री कराई है। पुलिस ने आवेदन की जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपी पवन कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। प्रभारी अमित सोनी ने बताया कि 79 वर्षीय सत्यनारायण मूर्ति निरूपम एस्टेट में रहते हैं। वह रिटायर्ड आईएएस हैं। ग्राम हथाईखेड़ा अयोध्यानगर में उनकी आधा एकड़ जमीन थी। इस जमीन को वह 75 लाख रुपए में बेचना चाहते थे। प्रापर्टी ब्रोकर पवन कुमार सिंह व धर्मेंद्र सक्सेना से उन्होंने जमीन बेचने का अनुबंध किया। इस जमीन के विक्रय में रिटायर्ड आईएएस के हस्ताक्षर होना जरूरी थे। इसके एवज में आरोपियों ने उन्हें एडवांस 15 लाख रुपए दिए। एक साल तक दोनों जमीन नहीं बेच पाए। रिटायर्ड आईएएस ने उन्हें नोटिस दिया कि अपनी रकम वापस ले लो और अनुबंध समाप्त कर लेते हैं। इस पर आरोपी धर्मेंद्र ने 29 मार्च 20224 को फर्जी तरीके से उक्त जमीन की रजिस्ट्री अपनी पत्नी ज्योति सक्सेना ने नाम कर दी। इस बात का पता पीड़ित को लगा तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की। शिकायती आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी पवन कुमार सिंह, धर्मेंद्र सक्सेना, उसकी पत्नी ज्योति सक्सेना के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

डीजीपी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह दिसंबर में सेवानिवृत्त हुए 9 कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। डीजीपी ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, चंचल शेखर सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त कार्यवाहक निरीक्षक (एम) एससीआरबी शाखा अजय चतुर्वेदी, कार्यवाहक सहायक अधीक्षक कार्मिक शाखा मनोरमा सोन, कार्यवाहक सूबेदार (एम) लेखा शाखा गोविंदराम वर्मा, कार्यवाहक सूबेदार (एम) विसबल शाखा रोधश्याम त्रिपाठी, उपनिरीक्षक (एम) कल्याण शाखा बीके गुप्ता, उपनिरीक्षक सीआईडी शाखा अमर सिंह, उपनिरीक्षक (एम) सीआईडी शाखा राजाराम सूत्रकार, कार्यवाहक उपनिरीक्षक सीआईडी शाखा रोडसिंह वर्मा तथा कार्यवाहक उपनिरीक्षक (एम) केन्द्रीय आवक जावक विजया अहिरवार को पुलिस मुख्यालय परिवार ने भावभीनी विदाई दी। सहायक पुलिस महानिरीक्षक डॉ। अंशुमान अग्रवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल पर प्रकाश डाला।

घर लौट रहे युवक का पर्स और मोबाइल झपटा

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में ट्रेन से उतरकर घर जा रहे एक युवक से दो बदमाशों ने मोबाइल और पर्स झपट लिया। घटना की शिकायत युवक ने पुलिस थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सौरभ कुमार दुबे मूलतः सिंगरौली का रहने वाला है। फिलहाल वह इंद्रपुरी पिपलानी में रहता है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। पिछले दिनों सौरभ कुमार ट्रेन से भोपाल आया था। निशातपुरा आउटर पर ट्रेन खड़ी हो गई तो वह वहीं पर उतर गया। घर जाने के लिए वह भानपुर ब्रिज की तरफ आटो लेने के लिए जाने लगा, तभी रास्ते में दो बदमाशों ने उसे रोक लिया और पचास रुपये देने का कहा। सौरभ ने बताया कि उसके पास खुल्ले पैसे नहीं हैं, इसलिए रुपये नहीं दे सकेगा। उसके बाद बदमाशों ने डरा-धमकाकर उसका पर्स और मोबाइल छीन लिया और झाड़ियों की तरफ भाग निकले।

उधारी नहीं लौटाने पर विवाद में युवक पर ब्लेड से जानलेवा हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित भारत टॉकिज के पास गुरुवार शाम एक बदमाश ने युवक पर ब्लैड से जानलेवा हमला कर दिया। युवक को ब्लैड गले और मुंह के पास लगी है। उसका हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। वारदात की वजह पुरानी उधारी नहीं लौटाने की बात सामने आई है। राजगढ़ कॉलोनी निवासी कलीम उर्फ करीम पिता रफीक (27) कबाड़खाने में काम करता है। शेरू उर्फ शाहवर उसका परिचित है।

मेट्रो एंकर बागसेवनिया क्षेत्र का मामला

घर में घुसकर छात्रा से अश्लील हरकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया में रहने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ घर में घुसकर अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। आरोपी पिछले करीब छह महीने से पीड़िता को परेशान कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ती है। गुरुवार रात करीब दस बजे मोहल्ले में रहने वाला दीपक अहिरवार नामक युवक किशोरी के कमरे में घुस गया और बुरी नीयत से हाथ पकड़कर अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता के शोर मचाने पर परिजन पहुंचे तो आरोपी मौके से भाग निकला। घरवालों ने पूछताछ की तो पता चला कि दीपक पिछले करीब छह महीने से उसे परेशान कर रहा था। उसके बाद परिजन देर रात किशोरी को

लेकर थाने पहुंचे, जहां उसने दीपक अहिरवार के खिलाफ छेड़छाड़ और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करवाया।

इसी इलाके में रहने वाली 13 साल की किशोरी गुरुवार शाम करीब चार बजे घर से बगैर बताए लापता हो गई। पुलिस ने इस मामले में सोनू नामक युवक के खिलाफ उसके अपहरण का मामला दर्ज किया है। आरोपी कटारा हिल्स थाना क्षेत्र का रहने वाला बताया गया है। पुलिस लापता किशोरी और अपहरणकर्ता की तलाश कर रही है।

पति के साथ जा रही महिला से छेड़छाड़

भोपाल। तलैया इलाके में तीन युवकों ने पति के साथ जा रही एक महिला के साथ अश्लील हरकत की और विरोध करने पर पति से मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार कोहेफिजा थाना क्षेत्र में रहने वाली 21 वर्षीय महिला अपने बुधवार की रात अपने पति के साथ तलैया में रहने वाले रिश्तेदार के यहां आई थी। रात करीब पौने तीन बजे वह पति के साथ वापस अपने घर लौट रही थी, तभी रास्ते में फैजान, राजू और अल्लू नामक युवकों ने महिला के साथ अश्लील हरकत कर दी। महिला के पति ने जब इसका विरोध किया तो तीनों ने उससे मारपीट कर दी। उसके बाद पीड़िता ने सुबह थाने पहुंचकर तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022